आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 04 सितंबर 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 265
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

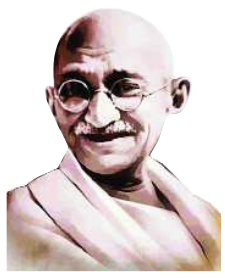

राष्ट्रपिता को नमन...

मुरली की धुन पर पर झूमे सारा संसार, वही है हमारा पालनहार

अक्षय तिवारी

इंदौर • दैनिक इंदौर संकेत

मुरली की धुन पर झूमे सारा संसार, वही है हमारा पालनहार- यह पावन पंक्ति सनातन धर्म में भगवान श्री कृष्ण की महिमा, उनकी बांसुरी की जादुई धुन और संपूर्ण सृष्टि के रक्षक (पालनहार) के रूप में उनके स्वरूप को दर्शाती है।

बांसुरी की धुन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब द्वापर युग में कान्हा अपनी मुरली बजाते थे, तो न केवल गोप-गोपियाँ बल्कि पशु-पक्षी, नदियाँ और संपूर्ण ब्रह्मांड उनकी धुन पर मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगता था।

पालनहार

गीता के उपदेशों और पुराणों के अनुसार, श्री कृष्ण ही संपूर्ण सृष्टि के नियंता और संकटों से उबारने वाले पालनहार हैं।

भारतीय जीवन-दर्शन में भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण केवल आस्था के दो महान केंद्र नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने की दो अलग-अलग, किंतु परस्पर पूरक दृष्टियां भी हैं। राम मर्यादा, आदर्श और अनुशासन के प्रतीक हैं, जबकि कृष्ण जीवन की सहजता, व्यावहारिकता, प्रेम, नीति और समय के अनुरूप निर्णय लेने की कला सिखाते हैं। शायद इसी भाव को सहज शब्दों में कहा गया है- 'राम सपने हैं और कृष्ण अपने हैं।'

राम वह आदर्श हैं, जैसा जीवन हम जीना चाहते हैं। कृष्ण वह अनुभव हैं, जिसके सहारे हम जीवन की जटिल परिस्थितियों से गुजरते हैं। मनुष्य बचपन में आदर्शों के साथ जीवन की यात्रा शुरू करता है। वह सत्य, न्याय और मर्यादा के सीधे रास्ते पर चलना चाहता है, लेकिन समय उसे जीवन के अनेक रंगों से परिचित कराता है। परिस्थितियां बदलती हैं, चुनौतियां सामने आती हैं और तब केवल आदर्श ही नहीं, विवेक और व्यवहार-कुशलता की भी आवश्यकता पड़ती है।

यही कारण है कि कहा गया है- 'मनुष्य की यात्रा राम से शुरू होती है और समय उसे कृष्ण बना देता है। 'इसका अर्थ आदर्शों को छोड़ देना नहीं, बल्कि उन्हें बचाए रखने के लिए जीवन की वास्तविक परिस्थितियों को समझना है। राम मर्यादा का मार्ग दिखाते हैं तो कृष्ण उस मर्यादा और धर्म की रक्षा के लिए समयानुकूल निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करते हैं। राम अनुकरणीय हैं और कृष्ण चिंतनीय; दोनों ही भारतीय जीवन-दृष्टि के ऐसे आधार हैं, जिनसे मनुष्य को अलग-अलग परिस्थितियों में प्रेरणा मिलती है।

कृष्ण की सहजता ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति

- भगवान श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व जितना विराट है, उतना ही सहज भी है। वे बालक हैं तो माखन चुराने वाले कान्हा हैं, मित्र हैं तो सुदामा के सखा हैं, प्रेम के प्रतीक हैं तो राधा के कृष्ण हैं, राजनीति में हैं तो कुशल रणनीतिकार हैं और युद्धभूमि में हैं तो अर्जुन के सारथी।
- यही बहुआयामी व्यक्तित्व उन्हें जन-जन के निकट ले आता है। कृष्ण केवल मंदिरों में स्थापित देवता नहीं लगते, बल्कि जीवन के हर मोड़ पर साथ खड़े दिखाई देते हैं। वे यह संदेश देते हैं कि आध्यात्मिकता का अर्थ संसार से दूर भागना नहीं, बल्कि संसार के बीच रहकर भी अपने विवेक और मूल्यों को जीवित रखना है।
- आज का मनुष्य भी लगभग इसी संघर्ष से गुजर रहा है। परिवार, समाज, प्रतिस्पर्धा, राजनीति, नौकरी और व्यवसाय- हर क्षेत्र में परिस्थितियां जटिल होती जा रही हैं। ऐसे समय में श्रीकृष्ण का जीवन केवल धार्मिक कथा नहीं, बल्कि व्यावहारिक जीवन का मार्गदर्शन भी बन जाता है।

कंस की कारागार में जन्मा उम्मीद का प्रकाश

- भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग भी आशा और परिवर्तन का अद्भुत प्रतीक है। जिस कारागार में भय, अत्याचार और निराशा का वातावरण था, वहीं कृष्ण का जन्म हुआ। देवकी और वसुदेव के बंधन खुल गए और पहरेदार गहरी नींद में सो गए।
- यह प्रसंग केवल एक पौराणिक घटना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि जीवन के एक गहरे संदेश के रूप में भी समझा जा सकता है। जब जीवन में आशा का जन्म होता है तो सबसे मजबूत दिखाई देने वाले बंधन भी कमजोर पड़ने लगते हैं। जब चेतना जागती है तो भय की दीवारें टूटने लगती हैं।
- कृष्ण का जन्म हमें यह विश्वास देता है कि अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, परिवर्तन की शुरुआत वहीं से हो सकती है, जहां उसकी संभावना सबसे कम दिखाई देती है।

आज के युग में क्यों जरूरी हैं कृष्ण?

- आज का समय केवल आदर्शवाद का नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण व्यवहार का भी है। हर बात पर टकराव, हर परिस्थिति में क्रोध और हर समस्या का सीधा समाधान संभव नहीं होता। कई बार धैर्य, कई बार संवाद, कई बार रणनीति और कई बार समय की प्रतीक्षा ही सही रास्ता बनती है।
- श्रीकृष्ण का जीवन यही सिखाता है कि धर्म और न्याय की रक्षा के लिए केवल शक्ति ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि बुद्धि, नीति और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता भी आवश्यक है।
- कृष्ण हमें परिस्थितियों के सामने झुकना नहीं सिखाते, बल्कि परिस्थितियों को समझकर उनका सामना करना सिखाते हैं। वे जीवन में संतुलन की शिक्षा देते हैं- प्रेम भी, कर्तव्य भी; मित्रता भी, नीति भी; करुणा भी और आवश्यकता पड़ने पर संघर्ष भी।
- शायद यही श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी प्रासंगिकता है। राम हमें वैसा बनने की प्रेरणा देते हैं जैसा होना चाहिए और कृष्ण हमें यह समझाते हैं कि जैसा जीवन सामने है, उसमें धर्म और विवेक के साथ कैसे जिया जाए।

खींचतान के बाद मिला लालवानी समर्थक को महामंत्री पद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • अनुसूचित जाति मोर्चा नगर अध्यक्ष इंदौर महानगर भूपेंद्र चौहान द्वारा जारी घोषित सूची के बाद संगठन के भीतर चल रही खींचतान भी सामने आने लगी है। खासतौर पर महामंत्री के दो पदों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच कई नामों को लेकर खींचतान दिखाई दे रही है। कोई खुलकर नहीं बोल पा रहा है, लेकिन मंत्री, विधायकों की पसंद-नापसंद दिखाई दे रही है।

अनुसूचित जाति मोर्चा की भूमिका महत्वपूर्ण-आगामी चुनावों को देखते हुए भाजपा में अनुसूचित जाति मोर्चा की भूमिका को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यही वजह है कि विधानसभा स्तर पर विधायकों ने भी अपने समर्थकों को संगठन में जिम्मेदारी दिलाने के लिए नाम आगे बढ़ाए। बताया जा रहा है कि अधिकांश विधायक अपनी पसंद के नामों को पद दिलाने में सफल भी रहे हैं। खास बात यह है कि किसी संगठनात्मक नियुक्ति में सांसद शंकर लालवानी की इस तरह सक्रिय रुचि पहली बार देखने को मिली है, जिसने इस नियुक्ति को सामान्य संगठनात्मक फेरबदल के बजाय राजनीतिक रूप से भी चर्चा में ला दिया है। वहीं भाजपा ने अनुसूचित जाति मोर्चा नगर पदाधिकारी में मन की बात प्रभारी ऋतिराज भारती, परीक्षण वर्ग प्रभारी दुर्गेश चौहान, जनप्रतिनिधि संपर्क प्रमुख पल्केश करोसिया, सामाजिक संपर्क प्रमुख सुनील वर्मा को बनाया गया है।

पसंद-नापसंद का दौर चला। एक महामंत्री पद के लिए विधायक गोलू शुक्ला और सुमित मिश्रा की पसंद के रूप में भरतसिंह खस का नाम पहले से तय माना जा रहा था, जबकि दूसरे पद को लेकर कई भाजपा नेता दावेदार के रूप मैदान में थे। इस पद के लिए नितेश खाण्डेकर, बबल वेद, टीनू चौहान और आशीष खेड़े के नाम चर्चा में थे।

बबल वेद पूर्व में भी महामंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं और दोबारा पद के लिए दावेदारी कर रहे थे, वहीं नितेश खाण्डेकर के नाम को लेकर सांसद शंकर लालवानी ने विशेष रुचि दिखाई और अंतत: खाण्डेकर को महामंत्री की जिम्मेदारी मिली, वहीं टीनू चौहान और आशीष खेड़े को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसरो ने अंतरिक्ष में भेजा 'नॉटी बॉय' दुश्मन की हरकतों पर रखेगा नजर

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो सतीश धवन स्पेस सेंटर से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट से ईओएस-05 सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह सैटेलाइट जीआईसैट-1ए के नाम से भी जाना जाता है। इसका वजन करीब 2,367 किलोग्राम है। लॉन्च 4 सितंबर 2026 को सुबह 2:55 बजे स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से हुआ। यह जीएसएलवी का 19वां उड़ान है। अब तक का सबसे भारी पेलोड माना जा रहा है। आठ महीने के गैप के बाद यह इसरो का महत्वपूर्ण वापसी मिशन है।

ईओएस-05 भारत का पहला जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से इमेजिंग करने वाला सैटेलाइट है। यह पृथ्वी से करीब 36,000 किलोमीटर ऊपर स्थिर रहेगा। भारतीय उपमहाद्वीप का लगातार निरीक्षण करेगा। सामान्य रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट कम ऊंचाई पर घूमते हैं। किसी जगह का चित्र कुछ दिनों में एक बार ले पाते हैं।

यह सैटेलाइट पूरे भारतीय भूभाग का चित्र हर 30 मिनट में ले सकेगा। महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए यह समय घटकर पांच मिनट तक आ जाएगा। इसमें 700 मिलीमीटर का टेलीस्कोप लगा है जो विजिबल, नियर-इन्फ्रारेड और शॉर्ट-वेव इन्फ्रारेड बैंड में डेटा जमा करेगा। यह सैटेलाइट आपदा प्रबंधन में बहुत काम आएगा।

प्रशासन पर आक्रमण

गाड़ियां भरकर आए गुंडे और दिनदहाड़े छीन ले गए मुरम से भरा वाहन, प्रशासन को खनिज माफियाओं की खुली चुनौती

ज्ञानेन्द्र पटेल : 8817772886

इंदौर • दैनिक इंदौर संकेत

गुंडागर्दी और अवैध माइनिंग तभी फलती-फूलती है, जब उन्हें कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और सत्ताधारी राजनेताओं का खुला संरक्षण प्राप्त होता है। अवैध खनन से उपजा काला धन और भारी भरकम फंडिंग प्रशासनिक ताकत को कमजोर कर देती हैं। जो भी इस नेटवर्क को तोड़ने की कोशिश करता है या तो उस अधिकारी का तबादला हो जाता है या फिर उससे सीधे गुंडागर्दी की जाती है। इंदौर खनिज विभाग की यही तस्वीर दिख रही है। अवैध खनिज से भरी गाड़ियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करने वाली सहायक खनिज अधिकारी स्वाति ठाकुर का एक साल के चलते ही इंदौर से तबादला और ईमानदारी से काम करने वाले सहायक खनिज अधिकारी आलोक अग्रवाल और खनिज के सैनिक भूपेंद्र सिंह से सुपर कॉरिडोर पर दिनदहाड़े की गई गुंडाई इसका जीता जागता सबूत है कि करोड़ों रुपए का अवैध खनन करने वाले और उसे बाजार में बेचकर लाखों की रॉयल्टी रोज चुराने वाले खनिज माफिया पर राजनीतिक संरक्षण कितना मजबूत है। अवैध माइनिंग और गुंडागर्दी के साम्राज्य के नेक्सस समझना और आसान हो गया, जब सहायक खनिज अधिकारी आलोक अग्रवाल ने निरीक्षण के दौरान सुपर कॉरिडोर पर अवैध परिवहन करते हाईवा गाड़ी MP09DX5970 को पकड़ा और होमगार्ड के जवान भूपेंद्र सिंह को गाड़ी में बिठाकर गांधीनगर थाने में खड़ा करने रवाना किया। इस दौरान सुपर कॉरिडोर स्थित टीसीएस चौराहे पर फिल्मी स्टाइल में गुंडागर्दी दिखते हुए रास्ते में ही काली स्कॉर्पियो और क्रेटा गाड़ी में आए 5 से 6 गुंडो ने डंपर को रोक कर होमगार्ड सिपाही के साथ मारपीट करते हुए गाड़ी छुड़ाकर ले गए। जहां एक ओर आलोक अग्रवाल को बातचीत में लगाकर रोका गया वहीं आगे तैयार खड़े गुंडो ने होमगार्ड सैनिक को गाड़ी से फेंक कर मुरम से भरा डंपर भगा ले गए। जब्त किए गए अवैध खनन के वाहन को खनन माफिया द्वारा जबरन छुड़ा ले जाना कानून-व्यवस्था के लिए एक बड़ी और बेहद चिंताजनक चुनौती बन चुका है।

गोस्वामी का गुर्गा लखन गुर्जर का दुस्साहस

खनिज प्रशासन के साथ हुई इस गुंडागर्दी को लेकर शहर के बड़े अधिकारी मौन व्रत धारण करे हुए हैं क्योंकि जिस खदान से गाड़ी निकाल कर आ रही थी उसे खदान संचालक के ऊपर प्रदेश के बड़े राजनेताओं का हाथ है। सैनिक भूपेंद्र सिंह ने पुलिस को की गई शिकायत में अवैध परिवहन कर्ता और आदतन अपराधी लखन गुर्जर का नाम उजागर किया है जिस पर पहले भी खनिज विभाग द्वारा अवैध परिवहन की कार्यवाही की गई है शिकायत में लखन गुर्जर को अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति बताया गया है। डंपर MP09DX5970 के मालिक कमलेश चौकसे और उसके साथियों के इस दुस्साहस का प्रशासन ने अभी तक उचित जवाब नहीं दिया है। शायद इस घटना के होते ही कुछ रसूखदार के फोन खनिज और बड़े प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंच गए हैं। मामले को शांत करने की कोशिश की जा रही है, मगर खबर मीडिया में आने के बाद कार्यवाही के नाम पर मात्र कागजी हवाई जहाज उड़ाए जाने की पूरी संभावना है।

बिना रॉयल्टी के अवैध परिवहन करते वाहन क्रमांक MP09DX5970 को पकड़ा गया था। राजस्व की चोरी करने पर नियमानुसार वाहन को गांधी नगर थाने खड़ा करने के लिए होमगॉर्ड सैनिक भूपेंद्रसिंह के साथ पहुंचाया गया था। इसी दौरान लखन गुर्जर और वाहन मालिक ने सैनिक के साथ गाली-गलौच और जबरजस्ती करते हुए वाहन बलपूर्वक छुड़ा ले गए। वरिष्ठ अधिकारियों को घटना से अवगत कराया जा चुका है, उनके निर्देशानुसार पर आरोपियों पर प्रकरण दर्ज करने समेत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

- **आलोक अग्रवाल**, सहायक खनिज अधिकारी, इंदौर

न्यूज ब्रीफ

रेंज रोवर इलेक्ट्रिक ओरिजिनल लग्जरी एसयूवी के लिए एक नए युग की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ओरिजिनल लग्जरी स्ड्रू कही जाने वाली रेंज रोवर अब इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन के साथ उपलब्ध है, जो बेहतर परिष्कार और क्षमता के एक नए युग की घोषणा करती है। 1970 से रेंज रोवर का घर रहे सोलिहल में बनी यह पहली इलेक्ट्रिक रेंज रोवर है। यह रेंज रोवर ब्रांड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अब तक की किसी भी रेंज रोवर से ज्यादा शांत, ज्यादा सहज, ज्यादा प्रतिक्रियाशील और ज्यादा टॉर्क देने वाली रेंज रोवर इलेक्ट्रिक बेमिसाल डिजाइन के साथ असाधारण परिष्कार और चकित कर देने वाली आधुनिकता को जोड़ती है। इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन केबिन का शोर कम करती है और रेंज रोवर की खास खूबियों को और बेहतर बनाती है—बेहतरीन प्रदर्शन, शानदार लग्जरी और हर रास्ते पर दमदार क्षमता।

फीनिक्स प्राइड ऑफ इंडिया के 90-दिवसीय उत्सव में कॉमेडी, फिटनेस और संगीत का रंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फीनिक्स प्राइड ऑफ इंडिया में चल रहे 90-दिवसीय उत्सव के तहत बीते सप्ताहांत मनोरंजन, फिटनेस, संगीत और कई खास गतिविधियों का आयोजन किया गया। लोकप्रिय स्टैंड-अप कॉमेडियंस से सजे कॉमेडी फेस्ट से लेकर मॉल मैराथन और अंडरग्राउंड डीजे पार्टी तक, विभिन्न आयोजनों में शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रेट इंडियन कॉमेडी फेस्ट सीजन-2 में पहुंचे 1700 से अधिक दर्शक सप्ताहांत का प्रमुख आकर्षण ग्रेट इंडियन कॉमेडी फेस्ट - सीजन 2 रहा। इसमें देश के लोकप्रिय स्टैंड-अप कॉमेडियन गौरव गुप्ता, इंदर साहनी, ओंकार यादव और अपूर्व गुप्ता ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। इनके साथ इंदौर के 15 स्थानीय कलाकारों ने भी मंच साझा किया।

खबर प्रकाशित होते ही रंगवासा शराब के अड्डों पर हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई

आबकारी विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई से भोखलाये शराब कारोबारी

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

कानून को ठेंगा दिखाकर रंगवासा और आसपास के इलाकों में बेखौफ फल-फूल रहे अवैध शराब के काले कारोबार पर आखिरकार आबकारी विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हमारे प्रतिनिधि द्वारा प्रमुखता से अवैध शराब अड्डों के खिलाफ प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी। जिसके बाद जिला कलेक्टर शिवम वर्मा के सख्त रुख और सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशों के बाद आबकारी अमले ने हरकत में आते हुए कई जगह दबिश दी।

गौरतलब है कि रंगवासा क्षेत्र में ठेकेदारों और बिचौलियों का नेटवर्क इस कदर हावी था कि फोर-व्हीलर और टू-व्हीलर के जरिए किराना दुकानों और ढाबों तक खुलेआम देसी, मसाला और अंग्रेजी शराब खपाई जा रही थी। जहां एक तरफ बेटमा थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार कार्रवाई कर रही थी, वहीं आबकारी विभाग पर महज 'खानापूर्ति' करने के गंभीर आरोप लग रहे थे।

आबकारी अधिकारियों ने ठेकेदार के आगे टेके घुटने
रंगवासा बना अवैध शराब का गढ़
आबकारी नियमों की खुलेआम उड़ा रहे धज्जियां

शराब कारोबारी संतोष और जगदीश की जुगल जोड़ी ने क्षेत्र मे अवैध शराब के अड्डों का बड़ा नेटवर्क बना लिया लगातार गाड़ियां भरकर शराब को ग्रामीण क्षेत्रों में भेजी जा रही थी इसी का खुलासा करते हुए दैनिक इंदौर संकेत ने खबर को प्रकाशित किया था खबर प्रकाशित होते ही आबकारी विभाग हरकत में आया और कल क्षेत्र में ताबड़तोड़ कार्रवाई कर दी लेकिन जानकारी में आपको बता दें करवाई अभी छोटी मछलियों पर की गई है बड़े मगरमच्छ हाथ आना अभी बाकी है।

अवैध अड्डों पर पड़ी रेड, 5 प्रकरण दर्ज

कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में वृत्त-देपालपुर के आबकारी उप निरीक्षक राजेश वट्टी एवं उनकी टीम ने मंगलवार को क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। टीम ने ग्राम अटवादा, शिवगढ़, रंगवासा और खानपुर में चिन्हित अड्डों पर ताबड़तोड़ दबिश दी ?कार्रवाई के दौरान आबकारी टीम ने अवैध मदिरा के संग्रहण और विक्रय के मामले में आरोपी प्रेम सिंह पिता नारायण सिंह, मोहन पिता राजाराम, देवकन्या पति मोहन और देवेंद्र पिता कमल के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क के तहत 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं।

बलराम बनोदा जैसे सेवाभावी शिक्षकों से ही शिक्षक समुदाय का सम्मान है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● होटल शिवालय में श्री बलराम बनोदा के शासकीय सेवा से सेवानिवृत होने पर उनके परिवार द्वारा एक आयोजन में उक्त उदगार आयोजन के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कर्मचारी नेता हरीश बोयत ने व्यक्त किए। आयोजन में मुख्य रूप अतिथि के रुप में श्री रामप्रसाद शर्मा (दरबार) शासकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री श्री अशोक मालवीय, संभागीय अध्यक्ष श्री आनंद हार्डिया, सेवानिवृत वरिष्ठ प्राचार्य श्री सुरेश करोसिया, आदि मंचासीन थे। सभी वक्ताओं ने बनोदा के द्वारा शिक्षकीय गतिविधियों में नित किए गए नवाचारों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। संचालन प्रवीण यादव ने, स्वागत भाषण अंकित बानोदा ने एवं अंत में आभार पवन मोहनिया द्वारा व्यक्त किया गया।

आधी रात से बारिश जारी, सुबह तक आधा इंच पानी गिरा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अगस्त में बारिश की कमी से परेशान शहर में सितंबर की शुरुआत के साथ मौसम का मिजाज बदलता नजर आ रहा है। गुरुवार आधी रात के बाद से शहर में रुक-रुककर बारिश हो रही है। शुक्रवार सुबह भी कुछ देर तेज बारिश हुई, जिससे लोगों को अच्छी बारिश की उम्मीद बंधी, लेकिन बाद में बारिश की रफ्तार धीमी हो गई। कई इलाकों में बारिश थम भी गई। शुक्रवार तक शहर में करीब आधा इंच बारिश दर्ज की गई। इसे मिलाकर इस सीजन में इंदौर में 19 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। मौसम वैज्ञानिकों ने शुक्रवार को इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में हल्की बारिश के आसार जताए हैं। सुबह की बारिश के बाद शहर में बादल छाए हुए हैं। अगस्त में इंदौर में बारिश बेहद कम हुई। पूरे महीने करीब 2 इंच बारिश ही दर्ज की गई। इससे सीजन की कुल बारिश सामान्य आंकड़े से पीछे रह गई। अब सितंबर में मौसम के बदले रुख से बारिश की उम्मीद बढ़ी है। जिले में बारिश के सीजन के करीब 25 दिन अभी बाकी हैं। मौजूदा आंकड़े के बावजूद सीजन का कोटा पूरा करने के लिए करीब 18 इंच और बारिश की जरूरत है। सितंबर में अच्छी बारिश वाला महीना माना जाता है। शहर में सितंबर की सर्वाधिक करीब 30 इंच बारिश का रिकॉर्ड 1954 में बना था।

दादू महाराज संस्थान करेगा संस्थाओं का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के सामाजिक और धार्मिक सरोकारों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 25 से अधिक संस्थाओं और 25 से अधिक विशिष्ट विभूतियों को आगामी रविवार, 6 सितंबर को सम्मानित किया जाएगा। यह भव्य सम्मान समारोह राजबाड़ा स्थित गोपाल मंदिर परिसर के गीता भवन ऑडिटोरियम में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम डॉ. दादू महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। समारोह के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट होंगे, जबकि अध्यक्षता विमुक्त घुमंतू अर्धघुमंतू जनजाति महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानसिंह बघेल करेंगे। विशेष अतिथियों में विधायक महेंद्र हार्डिया, विधायक गोलू शुक्ला और विधायक मालिनी गौड़ उपस्थित रहेंगे। संयोजक सरपंच कमल धनगर और हेमराज चौधरी ने बताया कि महासंघ के देशव्यापी समाजोपयोगी कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले प्रदेशभर के जिला पदाधिकारियों को भी विशेष कार्य हेतु सम्मानित किया जाएगा।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के सम्मान में शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर में विशेष ब्रंच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के लिए शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर में विशेष 'टीचर्स डे ब्रंच - सेलिब्रेट द स्पिरिट ऑफ ग्रैटिट्यूड' का आयोजन किया जा रहा है। 5 और 6 सितंबर को एस कैफे में दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक होने वाले इस विशेष ब्रंच में परिवार और दोस्तों के साथ शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए स्वादिष्ट व्यंजनों, लाइव म्यूजिक और बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया जा सकेगा। ब्रंच की शुरुआत कश्मीरी कहवा वेजिटेबल शोरबा और खट्टा-मीठा पनीर टिक्का जैसे व्यंजनों से होगी। मुख्य व्यंजनों में इंडोनेशियन वेजिटेबल रेंडांग करी, अमृतसरी पनीर टिक्का मसाला, सोया लबाबदार, मेथी मटर मलाई और जाफरानी वेजिटेबल बिरयानी शामिल हैं। इसके अलावा लाइव काउंटर पर मेहमानों के लिए पाव भाजी और राइस एंड नूडल्स तैयार किए जाएंगे। शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर के फूड एंड बेवरेज डायरेक्टर गुरप्रीत सिंह सोढ़ी ने कहा, 'इस ब्रंच के मेन्यू को तैयार करते समय हमने अलग-अलग स्वाद और पसंद को ध्यान में रखा है। भारतीय व्यंजनों के साथ अंतरराष्ट्रीय फ्लेवर को शामिल किया गया है। लाइव काउंटर के जरिए मेहमानों को ताजा तैयार किए गए व्यंजनों का अनुभव भी मिलेगा। हमारा प्रयास है कि भोजन इस उत्सव का एक खास हिस्सा बने।'

मानव सेवा के लिए सर्जन डॉ. दिगंत पाटनी को स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सुनने और बोलने की नई उम्मीद जगाने वाले युवा कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जन डॉ. दिगंत पाटनी को उनकी उल्लेखनीय मानव सेवा के लिए 'स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' का रिकॉर्ड सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान प पू सुधासागर जी महाराज की पावन निश्रा में विजय बाकलीवाल, अशोक दोशी, नवीन गोधा, वीरेंद्र कुमार जैन,अशोक शास्त्री, सौरभ बडजात्या,गिरीश गिन्नी ग्रुप, पिंकेश टोंग्या, प्रिंसिपल टोंग्या आलोक कोयला, डॉ मेघा पाटनी एवं शारदा जैन द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. दिगंत पाटनी ने महज 32 वर्ष की उम्र से स्वतंत्र रूप से कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी करना प्रारंभ किया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से जन्मजात गंभीर श्रवण बाधिता से पीड़ित बच्चों की 200 से अधिक कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी सफलतापूर्वक की हैं।

एआई एल्गो ट्रेडिंग कॉन्क्लेव 5 सितंबर को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड का नेक्स्ट-जेनरेशन इन्वेस्टिंग और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, अरिहंत प्लस, 5 सितंबर, 2026 को इंदौर में मध्य भारत का सबसे बड़ा एआई-एल्गो ट्रेडिंग कॉन्क्लेव आयोजित करने जा रहा है। इस कॉन्क्लेव में ट्रेडर्स, इन्वेस्टर्स, मार्केट प्रोफेशनल्स, टेक्नोलॉजी के शौकीन और एल्गो ट्रेडर बनने के इच्छुक लोग एक साथ आएंगे। इस आयोजन के प्रतिभागी जानेंगे कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एल्गोरिदम-आधारित ट्रेडिंग और ऑटोमेशन फाइनेंशियल मार्केट गति को बदल रहे हैं। अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के चेयरमैन श्री अशोक जैन ने कहा भारतीय कैपिटल मार्केट एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड इन्वेस्टिंग और ट्रेडिंग क्षमताओं तक पहुँच बढ़ाने में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एक मार्केट इंस्टीट्यूशन के तौर पर हमारा दायित्व है कि हम यह सुनिश्चित करें कि इस बदलाव के साथ-साथ जानकारी और जागरूकता भी बढ़ाना है कि एआई एल्गो ट्रेडिंग कॉन्क्लेव इसी सोच का विस्तार है। अरिहंत प्लस के जरिए, हम टेक्नोलॉजी, रिसर्च और मार्केट के अनुभव को एक साथ ला रहे हैं ताकि इन्वेस्टर्स इन बदलावों को समझ सकें और ज्यादा जागरूकता के साथ बदलते मार्केट इकोसिस्टम में हिस्सा ले सकें।

जन्माष्टमी पर देखिए इंदौर के मंदिरों की खास सजावट

दिनभर बंटेगा माखन-मिश्री का महाप्रसाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर इंदौर में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। भगवान के दिव्य श्रृंगार और मनमोहक झांकियों के दर्शन के लिए तड़के से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। गुरुवार रात से ही शहर के सभी प्रमुख मंदिरों को भव्य और आकर्षक ढंग से सजा दिया गया था। भगवान कृष्ण के मंदिरों के साथ-साथ प्रसिद्ध खजराना गणेश और रणजीत हनुमान मंदिर में भी विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हो रहा है। मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और विशाल भंडारों का आयोजन किया जा रहा है।

233 साल पुराने यशोदा माता मंदिर में तीन दिवसीय उत्सव- खजूरी बाजार स्थित प्रसिद्ध 233 साल पुराने यशोदा माता मंदिर में तीन दिवसीय जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर के संस्थापक पंडित आनंदी लाल दीक्षित के काल से चली आ रही परंपरा के अनुसार यहां विशेष सजावट की गई है। इस मंदिर की अनूठी विशेषता यह है कि यहां जयपुर से बैलगाड़ी द्वारा लाई गई प्रतिमा में यशोदा माता की गोद में श्रीकृष्ण विराजमान हैं। महापूजा और जन्म आरती के साथ नंद उत्सव व छप्पन भोग तथा मोर पंख झूले में लड्डू गोपाल के दर्शन जैसे विविध कार्यक्रम होंगे। संतान प्राप्ति की मनोकामना के लिए महिलाओं द्वारा गोद भराई की रस्म भी आयोजित की जाएगी।

इंदौर के ऐतिहासिक होलकर कालीन गोपाल मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी पं. बालमुकुंद पाराशर के अनुसार सुबह भगवान का पंचामृत अभिषेक करने के बाद नए वस्त्रों से अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। इसके बाद बाल भोग लगाकर श्रृंगार आरती संपन्न होगी। सुबह 11 बजे व्यास गादी से श्रीकृष्ण जन्म उत्सव की कथा सुनाई जाएगी और राज भोग अर्पित किया जाएगा। शाम को 11 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक पद्धति से अभिषेक-पूजन किया जाएगा जिसके बाद संध्या आरती और भजन-कीर्तन का दौर चलेगा। मध्यरात्रि 12 बजे जन्मोत्सव की महाआरती की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस मंदिर का निर्माण वर्ष 1832 में कृष्णाबाई होलकर द्वारा कराया गया था।

पितृपुरुष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती

भाजपा नेताओं ने प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, व्यक्तित्व-कृतित्व का किया स्मरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी के पितृपुरुष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती (जन्माष्टमी) के अवसर पर आज सुबह शांतिपथ स्थित डीआरपी लाइन के पास बनी उनकी प्रतिमा पर भाजपा नेताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक रमेश मेंदोला ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कुशाभाऊ ठाकरे के व्यक्तित्व और कृतित्व का स्मरण किया। इस मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे जी का पूरा जीवन संगठन और समाज को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आज भी उनके सिद्धांत और आदर्श भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं, और कार्यकर्ताओं को उनके दिखाए मार्ग पर चलकर संगठन एवं समाज सेवा में जुटे रहना चाहिए। इस अवसर पर कमल वाघेला, अश्विनी शुक्ल, निरंजन चौहान, दीपक टीनू जैन, घनश्याम शेर, राजेश चौहान, सुधीर कोल्हे, सचिन बंसल, गोविंद पंवार, भूपेंद्र केसरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आबकारी की बड़ी कार्रवाई, कंटेनर में भरी थीं सैकड़ों पेटियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने इंदौर बायपास क्षेत्र में एक कंटेनर की जांच के दौरान हरियाणा निर्मित शराब की सैकड़ों पेटियां जब्त कीं। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपए बताई जा रही है। आबकारी विभाग की टीम बायपास क्षेत्र में जांच कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध कंटेनर को रोककर उसकी तलाशी ली गई। जांच के दौरान कंटेनर में बड़ी मात्रा में शराब मिली। शराब के संबंध में आवश्यक दस्तावेज और परिवहन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की गई, जिसके बाद विभाग ने शराब को जब्त कर कंटेनर को भी जब्त किया। मनोज कुमार अग्रवाल (डिप्टी कंट्रोलर, आबकारी) के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जब्त शराब हरियाणा निर्मित है। इतनी बड़ी मात्रा में दूसरे राज्य की शराब इंदौर तक पहुंचने से इसके अवैध अंतरराज्यीय परिवहन और तस्करी से जुड़े नेटवर्क की आशंका है।

नेटवर्क की तलाश शुरू

आबकारी विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि शराब को हरियाणा से कहां से रवाना किया गया था और इसे इंदौर अथवा आसपास के किस क्षेत्र में पहुंचाया जाना था।

इसके साथ ही कंटेनर के मालिक, चालक, शराब भेजने वाले और इसे रिसीव करने वाले लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। अधिकारियों को आशंका है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब के परिवहन के पीछे एक संगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क हो सकता है। जांच के दौरान इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और ठिकानों की जानकारी सामने आने की संभावना है। आबकारी विभाग द्वारा जब्त शराब के सोर्स, ठिकानों और परिवहन के तरीके की विस्तृत जांच की जा रही है। टीम यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शराब की खेप किन लोगों के माध्यम से इंदौर लाई जा रही थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। जांच पूरी होने के बाद अवैध शराब के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के नाम सामने आने की उम्मीद है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 04 सितंबर 2026

न्यूज ब्रीफ

वृंदावन की तर्ज पर राम मंदिर में मनेगी कृष्ण जन्माष्टमी, 108 दीपों से होगी जन्म आरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर में शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी वृंदावन की तर्ज पर मनाई जाएगी। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री रामगोपालदास महाराज के सानिध्य में होने वाले आयोजन में रात 12 बजे भगवान श्री कन्हैयालाल की 108 दीपों से जन्म आरती होगी। जन्माष्टमी पर भगवान टीकम जी का विशेष श्रृंगार मोगरे के फूलों से किया जाएगा। मंदिर का दरबार भी मोगरे के फूलों से सजाया जाएगा। फूल बंगले में भगवान के दर्शन होंगे। रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के साथ विशेष आरती और पूजा-अर्चना की जाएगी। महामंडलेश्वर श्री रामगोपालदास महाराज ने बताया कि जन्मोत्सव के लिए मंदिर में विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

संस्था सृजन मटकी फोड़ प्रतियोगिता ओर कृष्ण जन्मोत्सव महापर्व मनाएगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संस्था सृजन कृष्ण जन्माष्टमी पर 4 सितंबर शुक्रवार को मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित करेगी, मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी मटकी फोड़ होगी प्रथम विजेता को 51 हजार का इनाम मिलेगा संस्था सृजन अध्यक्ष कमलेश खंडेलवाल, महेश दलोदा, गोविंद गोयल और महिला संयोजिका तनुजा खंडेलवाल ने बताया कि कृष्ण जन्माष्टमी पर 4 सितंबर को सागर ज्यूस के सामने, गोराकुंड पर रात 8 बजे होने वाली इंदौर की सबसे पुरानी जिसका पिछले 20 वर्षो से मटकी फोड़ का आयोजन किया जा रहा यह आयोजन का 21 वा वर्ष है । खंडेलवाल ने बताया कि इस आयोजन के लिये शहर की 16 टीमो ने आयोजन में आने की स्वीकृति दे दी,इसके लिये मुंबई,पुणे, देवास, महू ,धार, राउ , देपालपुर , बेटमा की टीमो को आने के लिये निमंत्रण दिये गए है इस आयोजन के लिये युवाओ की टोलियों को भी बेसब्री से इंतज़ार है ।खंडेलवाल ने बताया कि संभवता मध्यप्रदेश के सबसे बड़े मटकी फोड़ के इस आयोजन में शहर की करीब 1 लाख से अधिक जनता शामिल होकर उल्लास ओर मस्ती का मज़ा लेते हुए मटकी फोड़ का आनंद लेती है और कृष्ण जन्मोत्सव का उत्सव मनाती है।

मुख्यमंत्री से मिले 'हनुमान अंश' के गायक सुनील लोधी, दी 1 लाख की सम्मान निधि

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● कैंची धाम के संत नीम करोली बाबा के जीवन पर बनाई गई फिल्म 'हनुमान अंश' के बुंदेली गीत से लोकप्रिय हुए सागर के युवा गायक सुनील लोधी गुरुवार देर शाम सीएम हाउस पहुंचे। यहां उन्होंने सीएम डॉ. मोहन यादव से अपने परिवार के साथ मुलाकात की। देश भर में अपने गीत और भजन से वायरल हुए सागर जिले के रहने वाले गायक सुनील लोधी को मप्र सरकार प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को समत्व भवन में सुनील लोधी से मुलाकात कर उनकी प्रतिभा की सराहना की और सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

जन्म से दृष्टिबाधित सुनील को सरकार की ओर से एक लाख रुपए की सम्मान निधि भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के श्रेष्ठ और उभरते कलाकारों को आगे बढ़ने के लिए अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। कलाकारों की प्रतिभा को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुनील लोधी की बचपन से ही गायन में रुचि रही है। इसलिए उन्हें संगीत विद्यालय से औपचारिक संगीत पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए भी सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए टैलेंट सर्च जैसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने सुनील लोधी की

आंखों की रोशनी वापस लाने के लिए आवश्यक सहयोग देने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने सुनील के साथ आए उनके माता-पिता का भी सम्मान किया।

मुलाकात के दौरान सुनील लोधी ने तंबूरा बजाते हुए फिल्म 'हनुमान अंश' का लोकप्रिय बुंदेली गीत 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डार दई' सुनाया। मुख्यमंत्री के आग्रह पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर गाया जाने वाला भजन 'जन्म लए रघुराई, ब्रज में बज रही बधाई' भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सुनील लोधी के पिता महेंद्र सिंह लोधी, माता भाग बाई, संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी, डिजिटल बुंदेली बौछार के सचिन चौधरी और सुनील के मित्र उपस्थित रहे। 'हनुमान अंश' नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा पर आधारित भक्तिपरक फिल्म है। फिल्म में शोहिनव सत्य ने नीम करोली बाबा की भूमिका निभाई है और इसका लेखन-निर्देशन विशाल चतुर्वेदी ने किया है। फिल्म 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। खास बात यह है कि फिल्म में सुनील की बुंदेली आवाज ने भी अलग पहचान बनाई है। फिल्म के गीत के जरिए बुंदेली लोकधुन और स्थानीय भाषा बड़े पर्दे तक पहुंची है। फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला और रिलीज के बाद इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ी।

आईटी क्षेत्र में इंदौर का बजा डंका

बिजनेस ऑटोमेशन को सिंगापुर में मिला प्रतिष्ठित 'ग्लोबल नेक्स्ट अवॉर्ड 2026'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में मध्य भारत की अग्रणी आईटी सिस्टम इंटीग्रेशन कंपनी बिजनेस ऑटोमेशन (इंदौर) ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सिंगापुर में आयोजित प्रतिष्ठित 'ग्लोबल नेक्स्ट 2026 समिट' के दौरान कंपनी को सूचना प्रौद्योगिकी और सिस्टम इंटीग्रेशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'ग्लोबल नेक्स्ट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। समारोह में बिजनेस ऑटोमेशन के संचालक रवि नंदी ने मंच पर यह प्रतिष्ठित खिताब ग्रहण किया। प्रौद्योगिकी जगत के प्रमुख वैश्विक इकोसिस्टम ऑर्केस्ट्रेटर रेडिंगटन द्वारा सिंगापुर में आयोजित यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (2 से 4 सितंबर, 2026) विश्वभर के आईटी लीडर्स, एंटरप्राइज दिग्गजों और टेक इनोवेटर्स का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस समिट में भारत, मध्य पूर्व, अफ्रीका और आसियान देशों के 400 से अधिक वरिष्ठ नीति-निर्माता, उद्योगपति और शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। समिट के अंतर्गत आयोजित भव्य ग्लोबल नेक्स्ट अवॉर्ड्स नाइट में उन चुनिंदा संस्थाओं और पार्टनर्स को सम्मानित किया गया, जिन्होंने एंटरप्राइज स्तर पर क्लाउड सॉल्यूशंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड सिस्टम इंटीग्रेशन के जरिए डिजिटल बदलाव को नई दिशा दी है।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● प्रदेश के कई जिलों में बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात हैं। मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। सीधी के कैमूर पहाड़ की मूड़ा घाटी में लैंडस्लाइड के कारण सीधी-क्कमार्ग बंद है। बारिश के चलते सड़क पर बड़े पत्थर और पेड़ गिर गए हैं। सड़क के नीचे 100 फीट से ज्यादा गहरी खाई होने से यहां हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। छतरपुर में मूसलाधार बारिश की वजह से सभी स्कूल बंद हैं। लवकुशनगर में कच्चा मकान ढह गया। मकान गिरने का वीडियो भी सामने आया है। उमरिया में बाढ़ में एक महिला बह गई, जो अभी भी लापता है। चित्रकूट में मंदाकिनी का जलस्तर कम होते ही हालात सामान्य होने लगे हैं। जिन सड़कों पर पिछले चार दिनों से नावें चल रही थीं, वहां अब दोबारा गाड़ियों की आवाजाही शुरू हो गई है। मैहर में पुलों के ऊपर से पानी बहने के कारण मुकुंदपुर मार्ग बंद है। मौसम विभाग के मुताबिक, टीकमगढ़ और दमोह में अति भारी बारिश का रेड और 13 जिले- ग्वालियर, भिंड, दतिया, गुना, अशोकनगर, छतरपुर, निवाड़ी, पन्ना, सागर, रायसेन, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

मैहर में भारी बारिश और बीहर नदी में आई बाढ़ के चलते मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी 4 सितंबर को पर्यटकों के लिए बंद रहेगी। मुरूजुआ और भवरा नाला समेत पर्यटन मार्गों पर जलभराव के कारण रास्ते अवरुद्ध हैं। बाढ़ के साथ आए मलबे, कचरे और पेड़ों की टहनियों की सफाई के साथ जरूरी मरम्मत कराई जाएगी। वन्यजीव और सभी पर्यटक सुरक्षित हैं। मौसम सामान्य होने पर सफारी फिर खोली जाएगी। छतरपुर में गौरिहार-बांदा मार्ग पर खड्डी गांव के पास छोटी नदी का पानी रिपटे के ऊपर करीब 3 फीट बह रहा है। गुरुवार सुबह से पानी होने के कारण इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद है। इससे गौरिहार मुख्यालय से जुड़े दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है।

शिक्षक दिवस पर मनेगा बहिष्कार कार्यक्रम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष के.के.आर्य ने बताया कि 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर एकजुट होगे हजारो शिक्षक शिक्षक संध संगठन के सयुंक्त मोर्चे के बैनर तले शिक्षक दिवस को काला दिवस के रूप मनाया जाऐगा अपनी जीवन की आजीविका को बचाने एवम अपने मान सम्मान को बचाने के लिए संगठित होकर सक्रिय रूप शिक्षक दिवस बहिष्कार कार्यक्रम आयोजित किया जाऐगा। टीईटी के लिए जारी आदेश का बहिष्कार, जिससे हमारी एकजुटता प्रदर्शित होगी। ये परीक्षा श्वस्क्र करवा रही है डिपार्टमेंट नही । टीईटी बडे शहरो में हो रही ब्लाक व जिला केन्द्र पर नही । डीपीआई ने टीईटी के लिए प्रश्नबैंक जारी करने का कहा था जो जारी नही की । सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के आदेश के पैरा 168 में कट ऑफ डेट 3/1/2001 के पूर्व नियुक्त के लिए टीईटी अनिवार्य नही को नजरअंदाज किया । टीईटी के लिए 1000/- शुल्क है, आने जाने का खर्च अलग जबकि नि:शुल्क होना चाहिए। 2028 के पहले ञ्श्वञ्ज का अवसर है इसलिए किसी को भी सेवा से पृथक करना संभव नही है । ऐसी ही अन्य बहुत सी बाते है जो विसंगति युक्त है जिसका विरोध करना ही चाहिए अन्यथा हमारे सामने आने वाले समय में ई-अटेंडेंस के समान अनेक समस्याओ से ग्रस्त होते जायेंगे ।

नितिन नवीन से मिले नरोत्तम मिश्रा

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● दतिया विधानसभा उपचुनाव के नतीजे आने के ठीक एक महीने बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के अचानक दिल्ली पहुंचने से मध्यप्रदेश भाजपा में सियासी हलचल तेज हो गई है। मिश्रा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। खास बात यह है कि नरोत्तम मिश्रा का भोपाल के नीलबड़ में पार्षद जगदीश यादव की ओर से जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित दाल-बाटी कार्यक्रम में शामिल होने का कार्यक्रम था, लेकिन उन्होंने अचानक कार्यक्रम रद्द किया और दिल्ली के लिए रवाना हो गए। दिल्ली पहुंचने के बाद नरोत्तम मिश्रा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात को दतिया उपचुनाव के बाद पार्टी संगठन में चल रही कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। दतिया में भाजपा की हार के बाद जिला

संगठन पूरी तरह भंग कर दिया गया था और अब करीब एक महीने बाद भी नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो सकी है।3 अगस्त को आए दतिया उपचुनाव के परिणाम में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6016 वोट से हराया। दतिया को लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है और नरोत्तम मिश्रा यहां से तीन बार विधायक रह चुके हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने नरोत्तम मिश्रा को करीब 7,500 वोट से हराया था। बाद में राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त होने के कारण दतिया में उपचुनाव हुआ।

इंदिरा सागर बांध 2.39 मीटर खाली, अगस्त में चार गुना कम बनी बिजली

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नर्मदा नदी के ऊपरी इलाकों में कम बारिश होने के कारण इंदिरा सागर बांध में इस बार उम्मीद के मुताबिक पानी नहीं आ पाया है। हालांकि परियोजना प्रमुख अजीत कुमार का कहना है कि मानसून सीजन अभी बाकी है और सितंबर के अंत तक बांध पूरी क्षमता से भर जाएगा। वर्तमान में बांध का जलस्तर 259.74 मीटर दर्ज किया गया है, जो इसकी कुल भराव क्षमता (262.13 मीटर) से 2.39 मीटर खाली है। यही वजह है कि 2 सितंबर तक बांध के गेट नहीं खोले जा सके हैं, जबकि बीते साल पानी की भारी आवक के कारण 27 जुलाई को ही गेट खोलने पड़े थे। इस बार अगस्त में पिछली बार के मुकाबले 4 गुना कम बिजली बनी है। हालांकि गुरुवार को बरगी बांध के गेट खुलने पर यहां पानी बढ़ सकता है। बीते साल अगस्त की स्थिति: पिछले साल अगस्त में बाढ़ आने के कारण सभी 8 टरबाइनें 24 घंटे चल रही थीं और 807 मिलियन यूनिट बिजली बनी थी। यानी बीते साल के मुकाबले इस बार अगस्त में 4 गुना कम बिजली बनी है।

रेवा नगर में बुनियादी सुविधाओं के अभाव रहवासियों ने दी अनशन की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह ● रेवा नगर कॉलोनी में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर रहवासियों का गुस्सा बढ़ गया है। सड़क, पीने का साफ पानी और जल निकासी जैसी बुनियादी समस्याओं के लिए चल रहे अनिश्चितकालीन धरने में अब महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया है। सुबह से शाम तक चले इस धरने में महिलाओं ने साफ चेतावनी दी कि जब तक सड़क और नाली बनाने का काम शुरू नहीं होगा, आंदोलन खत्म नहीं होगा। रहवासियों ने बताया कि एक दिन पहले एसडीएम सत्यनारायण दर्रे, तहसीलदार सुंदरलाल ठाकुर और जनपद सीईओ मुकेश जैन ने बारिश के दौरान कॉलोनी का दौरा किया था। अधिकारियों ने गंदे पानी की निकासी की समस्या हल करने का भरोसा दिया था। अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जेसीबी से कराई गई सफाई भी सिर्फ खानापूर्ति साबित हुई। कालू यादव और राजेंद्र पंडित सहित अन्य नागरिकों ने चेतावनी दी कि अगर दूषित पानी की समस्या जल्द नहीं सुलझी।

दूध में मिलावट की मौके पर जांच, खाद्य विभाग ने रैपिड किट से की चेकिंग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● आमजन को शुद्ध और सुरक्षित दूध उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने मिल्क रैपिड टेस्टिंग अभियान शुरू किया है। मध्यप्रदेश के खाद्य सुरक्षा आयुक्त और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के निर्देश पर उज्जैन जिले में भी रैपिड टेस्टिंग किट से दूध की मौके पर प्राथमिक जांच की जा रही है। इसके लिए मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी को खास रैपिड टेस्टिंग किट दी गई है। खाद्य विभाग की टीम ने सिंधी कॉलोनी इलाके में चेक प्वाइंट लगाकर दूध डेयरियों और दूध लाने-ले जाने वाले वाहनों की जांच की। इस दौरान शांतिलाल चौकसे (निवासी ग्राम तालोद) के वाहन संजय अंजना (निवासी ग्राम तालोद) के दूध वाहन सिंधी कॉलोनी की संतोष डेयरी और ग्राम निनोरा निवासी भारत सिंह चौधरी के दोपहिया वाहन की रैपिड किट से जांच की गई।

रैपिड टेस्टिंग किट में एक खास पेपर होता है। इसे दूध के नमूने में डुबोकर शुरुआती जांच की जाती है। दूध में मिलावट के हिसाब से पेपर का रंग बदल जाता है। इससे मौके पर ही मिलावट की संभावित जानकारी मिल जाती है। यह किट दूध में स्टार्च, शक्कर, नमक, न्यूट्रलाइजर और मल्ट्रोडेक्सट्रिन जैसी मिलावट का पता लगा सकती है। अगर शुरुआती जांच में मिलावट की आशंका सामने आती है, तो विभाग इन्फॉर्मेंट नमूना लेकर उसे राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजता है। रिपोर्ट के आधार पर खाद्य कारोबारकर्ता के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाती है।

विभाग ने माधव क्लब रोड स्थित स्मार्ट बाजार में चलित खाद्य प्रयोगशाला के जरिए ग्राहकों को खाने-पीने की चीजों में संभावित मिलावट और घर पर किए जा सकने वाले आसान परीक्षणों के बारे में बताया।

लोगों को नमक, तेल और शक्कर का सेवन कम करने, पर्याप्त पानी पीने और हरी सब्जियां, दूध-दुग्ध उत्पाद, मौसमी फल, दाल व मोटे अनाज को भोजन में शामिल करने की सलाह दी गई। साथ ही तली हुई चीजें कम खाने और पैक्ड खाद्य पदार्थ खरीदने से पहले लेबल की जानकारी जांचने के लिए जागरूक किया गया।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

मौन-क्रोध की दवा और समझ का द्वार

क्रोध जब भीतर से उठता है, तो उसकी आग सबसे पहले हमारी वाणी को जलाती है। हम कुछ ऐसा कह बैठते हैं, जिसे शब्दों से नहीं, वर्षों के मौन से भी ठीक नहीं किया जा सकता। क्षणिक आवेग हमें तात्कालिक तृप्ति देता है, पर पश्चाताप जीवनभर सालता है।इसलिए मौन ही वह पहली औषधि है, जो हमें संयम का स्वाद चखाती है। लेकिन मौन केवल प्रतिक्रिया रोकने का माध्यम नहीं है, मौन एक श्रोता बनाता है। जब हम चुप होते हैं, तो केवल शांत नहीं होते-हम सुनना आरंभ करते हैं। दूसरे की पीड़ा, उसका पक्ष, उसकी चुप्पी...सब हमारे भीतर उतरने लगता है। बोलते समय हम केवल अपना सत्य कहते हैं, मौन में हम दूसरे का सत्य समझते हैं। इसलिए, क्रोध के क्षणों में मौन धारण करना-यह कायरता नहीं, बुद्धिमत्ता है। और शांति के समय भी मौन-यह अहंकार नहीं, विवेक का लक्षण है। कभी-कभी हमारे आसपास कुछ ऐसे लोग होते हैं जो क्रोध को व्यक्त नहीं, विस्फोट करते हैं। बोलते समय उन्हें भान नहीं होता कि उनकी जबान तीर नहीं तलवार बन चुकी है। मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ, जो हर छोटी बात पर आग-बबूला हो जाता है। उसके शब्दों में शालीनता नहीं, बल्कि अपमान की कटार छिपी होती है। उसकी पत्नी और बेटा भी उसी व्यवहार को अपनाते गए-क्योंकि घर में यही वाणी का संस्कार मिला। लोग उससे कटते गए। उसके आसपास समाज नहीं, केवल अकेलापन बचा। कई बार वह पश्चाताप करता है, माफ़ी माँगता है...पर क्या हर शब्द का घाव माफ़ी से भर सकता है? शब्द एक बार निकल जाएं, तो वे केवल सुनाई नहीं देते-वे याद रह जाते हैं। वह चाहता है बात करना...संबंध फिर से जोड़ना...लेकिन संकोच और शर्म उसकी जुबान को बाँध देती है, क्योंकि जब कोई मर्यादा की रेखा लांघता है, तब सम्मान की धरती दरक जाती है।

निष्कर्ष : क्रोध स्वाभाविक है, पर उसमें डूब जाना-आत्मघात है। मौन ही वह सेतु है जो हमें विनाश से बचाकर संवाद की ओर ले जाता है। बोलने से पहले सोचें, और सोचते समय मौन धारण करें। क्योंकि- 'दुश्मनी लाख सही पर ध्यान रख, जब दोबारा सामना हो तो शर्मिंदा न होना पड़े।'

सतीश शर्मा

बेटियों के सपनों को मिला क्रिकेट का अपना आंगन

भारत को पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिलना महज खेल-जगत की खबर नहीं, महिला क्रिकेट के बदलते दौर का संकेत है। दशकों तक पुरुष क्रिकेट की तेज धारा के किनारे बहने वाला महिला क्रिकेट अब अपनी राह बना रहा है। श्रीलंका से आयोजन छिनकर भारत को मिलना इसी बदलाव को रेखांकित करता है। एक ओर श्रीलंका क्रिकेट संस्था में सरकारी हस्तक्षेप के कारण विश्व मंच पर पीछे हुआ, दूसरी ओर भारत अपनी व्यवस्थागत क्षमता और बढ़ते प्रभाव से आगे आया। फरवरी 2027 (14 से 28 फरवरी) में मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला छह टीमों का यह टूर्नामेंट इसलिए महत्वपूर्ण है कि महिला क्रिकेट अब पुरुष क्रिकेट की छाया नहीं रहा; उसने अपनी पहचान बना ली है और क्रिकेट की दिशा प्रभावित करने की ताकत भी अर्जित कर ली है। इस कहानी की नींव 1978 में पड़ी थी, जब भारत ने दूसरी महिला विश्व कप प्रतियोगिता की मेजबानी की, जो उसका पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट भी था। तब महिला क्रिकेट के पास न भरे स्टेडियम थे, न बड़े प्रसारण और न प्रायोजकों की कतार। फिर भी उस आयोजन ने भारतीय जमीन पर बीज बो दिया। करीब पांच दशक बाद वही बीज मजबूत वृक्ष बन चुका है। आईसीसी के सामने बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और भारत विकल्प थे, लेकिन मेजबानी भारत को मिली। यह फैसला केवल सुविधाओं और आयोजन-अनुभव का परिणाम नहीं, भारतीय महिला क्रिकेट पर बढ़े भरोसे की मुहर है। हालिया विश्व कप की सफलता और घरेलू लीग की लोकप्रियता ने साबित किया है कि भारतीय दर्शकों की क्रिकेट-दीवानगी अब पुरुष और महिला के खांचे में बंटी नहीं है।

श्रीलंका से आयोजन हटना इस कहानी का दूसरा और अधिक गंभीर पहलू है। खेल का मैदान राजनीति से अलग दिख सकता है, लेकिन खेल संस्थाएं उससे अछूती नहीं रह सकतीं। क्रिकेट संस्था की स्वतंत्रता पर सरकारी हस्तक्षेप का साया पड़े तो मामला केवल प्रशासन का नहीं, अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता का बन जाता है। श्रीलंका इसी संकट की कीमत चुका रहा है। भारत को मेजबानी मिलना इसलिए उपलब्धि के साथ

जिम्मेदारी भी है। मुंबई और वडोदरा का चयन इस जिम्मेदारी के दो रंग सामने रखता है—मुंबई की समृद्ध क्रिकेट परंपरा और वडोदरा की उभरती खेल-ऊर्जा। अब ये मैदान सिर्फ चौकों-छक्कों के गवाह नहीं होंगे; यहां उन लड़कियों के सपनों को भी आकार मिलेगा, जो गांवों और छोटे शहरों में बल्ला थामकर बड़े मंच का सपना देख रही हैं। टी-20 प्रारूप इस टूर्नामेंट को और धार देगा। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की छह टीमें राउंड-रॉबिन चरण में भिड़ेंगी और शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। टीमें भले छह हों, लेकिन हर मुकाबला निर्णायक होगा। टी-20 में एक खराब पारी, कुछ गलत गेंदें या चंद क्षणों की हड़बड़ी पूरा अभियान पलट सकती है। भारत जैसे विशाल क्रिकेट बाजार में इसका असर मैदान से बाहर भी दिखेगा। प्रायोजन और मीडिया की दिलचस्पी बढ़ेगी, दर्शक जुड़ेंगे और महिला क्रिकेट की आर्थिक ताकत मजबूत होगी। इसका लाभ केवल भारतीय टीम को नहीं, पूरे एशिया की महिला क्रिकेट को मिल सकता है।

सबसे बड़ा बदलाव शायद क्रिकेट में नहीं, समाज की नजर में आया है। कभी महिला क्रिकेट को गंभीर खेल के बजाय मनोरंजन या अतिरिक्त गतिविधि माना जाता था। आज वही खेल करियर, सम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय गौरव का रास्ता बन चुका है। हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ियों ने सिर्फ गेंद को सीमा पार नहीं पहुंचाया, बल्कि लड़कियों के सपनों के सामने खड़ी मानसिक दीवार भी तोड़ी है। अब सवाल यह नहीं कि लड़की क्रिकेट क्यों खेले, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी प्रतिभा को अवसर क्यों न मिले। 2027 का यह आयोजन नई पीढ़ी को यही संदेश देगा कि मैदान पर खिलाड़ी की पहचान उसका लिंग नहीं, उसकी क्षमता और खेल तय करते हैं।

लेकिन मेजबानी की असली परीक्षा स्टेडियमों की रोशनी बुझने के बाद होगी। सफल आयोजन जरूरी है, पर पर्याप्त नहीं। ग्रामीण इलाकों में मैदानों की कमी, प्रशिक्षित कोचों का अभाव, सीमित सुविधाएं और सामाजिक पूर्वाग्रह आज भी अनगिनत प्रतिभाओं का रास्ता रोकते हैं। यदि चैंपियंस ट्रॉफी की चमक मुंबई और वडोदरा तक सिमट गई तो भारत इस अवसर का आधा ही लाभ उठा पाएगा। इसे स्कूलों, कॉलेजों, जिलों और छोटे कस्बों तक पहुंचाना होगा। हरमनप्रीत जैसी सितारों के साथ हजारों नई खिलाड़ियों के लिए रास्ते खोलने होंगे; तभी महिला क्रिकेट सचमुच व्यापक होगा। भारत के सामने सवाल यह नहीं कि वह चैंपियंस ट्रॉफी कितनी अच्छी तरह आयोजित करेगा, बल्कि यह है कि आयोजन के बाद क्या बचाएगा। बेहतर घरेलू ढांचा, अधिक प्रशिक्षण सुविधाएं, महिला कोचों की बढ़ती संख्या और लड़कियों में खेल को करियर मानने का आत्मविश्वास—यदि ये इसकी देन बनें, तभी मेजबानी सार्थक होगी। अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट तभी सामाजिक बदलाव की सीढ़ी बनेगा, जब उसकी गूंज स्टेडियमों से निकलकर उस स्कूल के मैदान तक पहुंचे, जहां कोई किशोरी पहली बार क्रिकेट की गेंद थाम रही है। यही विस्तार एक आयोजन को घटना से आंदोलन बना सकता है। श्रीलंका से भारत तक चैंपियंस ट्रॉफी का पहुंचना महज मेजबान बदलने की खबर नहीं, महिला क्रिकेट की बदलती हैसियत का ऐलान है। भारत को सम्मान मिला है तो परीक्षा भी—वह इसे सिर्फ सफल आयोजन तक रखता है या महिला क्रिकेट के भविष्य की नींव बनाता है, फैसला अब उसके हाथ में है। असली जीत ट्रॉफी या वाहवाही में नहीं, उस विश्वास में होगी कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का मैदान गांव की बेटी के लिए भी खुला है। 2027 में मुंबई या वडोदरा में खेलती किसी भारतीय खिलाड़ी को देखकर यदि किसी गांव की लड़की यह सपना देखे कि वह भी वहां पहुंच सकती है, तो यही मेजबानी की बड़ी सफलता होगी। जिस दिन यह विश्वास घर-घर पहुंचेगा, उसी दिन भारत सिर्फ चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान नहीं, महिला क्रिकेट का नया घर कहलाएगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

अपने ही बुने जाल में फंसे मुख्य राजनीतिक दल

अपनी सत्ता को अक्षुण्ण बनाए रखने के प्रयास में राजनीति कब किस कुचक्र में फंस जाए तथा अपनी ही चालों में भटक कर आम आदमी के लिए संकट खड़ा कर दे, कहा नहीं जा सकता। भारत की जाति आधारित राजनीति राष्ट्र की एकता व अखंडता को दाँव पर लगाकर कब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के किए जन भावनाओं को आहत करने लगे, इसका भी पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। भारत की राजनीति प्रारंभ से ही सवर्ण विरोध पर आधारित रही है। देश का सवर्ण वोट बैंक कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का बिना शर्त वाला वोट बैंक रहा है। यही कारण है, कि कांग्रेस या भाजपा ने कभी सवर्ण मतदाताओं की समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया। विभिन्न राज्यों में केवल चंद जातियों को अपना वोट बैंक मानने वाले राजनीतिक दलों ने अपनी विशेष जाति के अतिरिक्त सामान्य वर्ग में आने वाली जातियों को अपना वोट बैंक नहीं समझा। यही कारण रहा, कि गैर भाजपा व गैर कांग्रेसी राजनीतिक दलों समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी, राष्ट्रीय जनता पार्टी तथा अन्य दलों में ब्राह्मण, राजपूतों, वैश्यों , कायस्थों के साथ अछूतों जैसा व्यवहार किया गया। सार्वजनिक मंचों पर आज भी इन दलों का सवर्ण विरोधी चरित्र उजागर है। जातीय आधार पर वोट बैंक साधने में लगी समाजवादी पार्टी ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों को एकजुट करके सामाजिक बंटवारे की आधारशिला पर ही अपनी सियासी जीत की कामना की। बसपा ने एक समय सर्व जातीय सोशल इंजिनीरिंग के आधार पर उत्तर प्रदेश में शासन चलाया भी, लेकिन वर्तमान दौर में जातीय मानसिक विकलांगता ने जो वातावरण तैयार किया है, वह भाजपा और कांग्रेस को धरती चटाने की दिशा में अग्रसर है। सभी वर्गों के नेताओं को साथ लेकर चलने वाली भाजपा में तथाकथित सवर्ण जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा ने सवर्ण नेताओं को अपने अस्तित्व का आकलन करने हेतु विवश कर दिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सवर्ण विरोधी प्रावधान में जिस प्रकार से सवर्णों के विरुद्ध मनमाने उत्पीड़नकारी मुकदमों की छूट प्रदान की गई है तथा बिना किसी जांच के सवर्णों का शैक्षिक,व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन बर्बाद करने का अधिकार दलितों व पिछड़ों को प्रदान किया गया है, उसने भाजपा की सवर्णों के प्रति नीयत का खुलासा कर दिया है। सवर्णों के अंध समर्थन के चलते भाजपा स्वयं को विकलांग समझने की गलत फहमी पाले हुए है। ताज्जुब तो तब होता है, कि जब देश का साधन संपन्न प्रधानमंत्री स्वयं को अति पिछड़ा घोषित करने में लज्जा का अनुभव नहीं करता। अपने परिवार को अपने जातीय वोट बैंक के आधार पर संपन्न करने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर नकारात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं। प्रधानमन्त्री, गृहमंत्री व जिम्मेदार भाजपाई गंभीर समस्या पर मौन साधकर सवर्णों पर फर्जी मुकदमों के प्रति धृतराष्ट्र बने हुए हैं। अब ऐसा लगता है, कि देश के लिए अपनी रियासतें दान देने वाले राजपूतों ने अपनी संपत्ति का दान करके, ब्राह्मणों व कायस्थों ने अपने ज्ञान से समाज में शिक्षा का परचम लहराकर तथा दानवीर भामाशाहों ने जनसाधारण के लिए कुएँ, बावड़ी, खुदवाकर व भोजन शालाएं खोलकर बहुत बड़ा अपराध किया है तथा जिनके लिए यह व्यवस्था की, उनसे गाली खाने के लिए ही उन्होंने ऐसा किया है तथा इन सबके पीछे इनके वोटबैंक के आधार पर पनप रही भाजपा और कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टियाँ ही सर्वाधिक दोषी है। समय आ गया है, कि जब देश के सामान्य वर्ग की अनदेखी करने वाले राजनीतिक दलों की अक्ल ठिकाने लगाने के लिए प्रबुद्ध वर्ग एकजुट हो तथा इन्हें समझाए कि देश का सामान्य वर्ग मानसिक रूप से विकलांग नहीं हुआ है, उसमें सोचने समझने की सामर्थ्य है तथा यदि वह अंध समर्थन कर सकता हैं तो उपेक्षा का शिकार होने के चलते वह शासक वर्ग की दोगली और सवर्ण विरोधी नीतियों के विरुद्ध भी विद्रोह का बिगुल फूंक सकता है।

डॉ. सुधाकर आशावादी -विनायक फीचर्स

आंचलिक

माहेश्वरी समाज की जनगणना 5 सितंबर से

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले में माहेश्वरी समाज की जनगणना 5 सितंबर से शुरू होगी। इसमें जिले के हर माहेश्वरी परिवार और सदस्यों की जानकारी जुटाई जाएगी। साथ ही प्रत्येक सदस्य का ब्लड ग्रुप दर्ज कर कार्ड दिया जाएगा। अभियान की जानकारी देने के लिए गुरुवार को जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मनोज सोमानी और उनकी टीम ने बाग में समाजजनों के साथ बैठक की। बाग माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रदीप अगाल ने बताया कि बाग में 5 से 15 सितंबर तक घर-घर जाकर निर्धारित फॉर्म के जरिए जानकारी जुटाई जाएगी। इसमें परिवार और समाज के सदस्यों से जुड़ी जरूरी जानकारी दर्ज की जाएगी। मनोज सोमानी ने बताया कि जनगणना के बाद समाज के परिवारों की जानकारी जुटाकर डायरेक्टरी तैयार की जाएगी। इसमें परिवारों से जुड़ी जानकारी शामिल होगी। सोमानी ने बताया कि जनगणना के दौरान हर सदस्य का ब्लड ग्रुप भी पता किया जाएगा। इसके बाद उसे ब्लड ग्रुप कार्ड दिया जाएगा। इससे जरूरत के समय समाज के सदस्यों को रक्त संबंधी जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

मिर्च की फसल सूखी, किसानों का 30 लाख से ज्यादा का नुकसान

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले के दुर्गापुर गांव में 25 से ज्यादा किसानों की करीब 40 एकड़ मिर्च की फसल खराब हो गई। किसानों ने नर्सरी से मिर्च के पौधे खरीदकर खेतों में लगाए थे। तीन महीने तक देखभाल और खर्च करने के बाद पौधे पीले पड़कर मुरझाने लगे। अब तक पौधों में फल भी नहीं आए हैं। किसानों ने नुकसान 30 लाख रुपए से अधिक बताया है और उद्यानिकी विभाग से मुआवजे की मांग की है। किसानों के अनुसार, मांगरुल स्थित नर्सरी से खरीदे गए पौधे दुर्गापुर के करीब 40 एकड़ क्षेत्र में लगाए गए थे। करीब तीन महीने बाद पौधों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने लगे। धीरे-धीरे पौधे पीले पड़कर सूखने लगे और इसका असर पूरी फसल पर हुआ। किसानों की शिकायत मिलने के बाद उद्यानिकी उप संचालक केके गिरवाल मांगरुल स्थित

अद्वैत नर्सरी पहुंचे। उन्होंने मौके पर पंचनामा तैयार किया। विभाग ने नर्सरी संचालक प्रभु कुशवाह को भी बुलाकर पौधों के संबंध में जानकारी ली। संचालक ने बताया कि पौधों में इस तरह की समस्या केवल दुर्गापुर के किसानों के खेतों में सामने आई है। उनके अनुसार, नर्सरी से 14 किसानों को पौधे भेजे गए थे। उद्यानिकी उप संचालक केके गिरवाल ने बताया कि शुरुआती जांच में पौधों के सूखने की वजह सूखा रोग सामने आई है। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए टीम बनाई गई है। प्रभावित खेतों का पंचनामा तैयार किया जा रहा है।

घर के पीछे गांजे की खेती, पुलिस ने 152 पौधे उखाड़े

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत खालवा पुलिस ने अड़ाखेड़ा गांव में गांजे की खेती का मामला पकड़ा है। पुलिस ने एक व्यक्ति के घर के पीछे बने बाड़े से गांजे के 152 हरे पौधे जब्त किए हैं। इनका कुल वजन 17 किलो 200 ग्राम है। पुलिस के अनुसार, जब्त पौधों की अनुमानित कीमत करीब 68 हजार रुपए है। मामले में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत केस दर्ज किया गया है। टीआई अनुपमसिंह के अनुसार, 2 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव में एक व्यक्ति ने घर के पीछे बने बाड़े में गांजे के पौधे लगा रखे हैं। सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर तलाशी ली। इस दौरान बाड़े में गांजे के पौधे लगे मिले। पुलिस ने मौके से 152 हरे पौधे जब्त किए। इनका वजन 17 किलो 200 ग्राम पाया गया। पुलिस ने इनकी कीमत करीब 68 हजार रुपए बताई है। पुलिस ने पौधों को जब्त करने के बाद आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि पौधे कब और किस उद्देश्य से लगाए गए थे और इनका इस्तेमाल या सप्लाई कहां किया जाना था। एसपी अगम जैन ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, परिवहन और खेती के खिलाफ अभियान जारी है। अधिकारियों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

कब्रिस्तान में मशीनें चलीं, जेसीबी-क्रेन से काटे पेड़, जांच शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● बड़ा कब्रिस्तान में गुरुवार सुबह पेड़ों की कटाई के दौरान मशीनें चलाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। समाजजनों का आरोप है कि पेड़ों की कटाई के लिए लाई गई क्रेन, जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्रिस्तान परिसर में कब्रों के ऊपर से गुजारा गया। इससे कई कब्रों को नुकसान पहुंचा और कुछ कब्रों पर लगे नाम व पहचान के निशान भी मिट गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में समाजजन कब्रिस्तान पहुंच गए। लोगों ने मशीनों से कब्रों को नुकसान पहुंचाने का विरोध किया और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। मामला सामने आने के बाद कोतवाली पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। गुरुवार सुबह कहारवाड़ी निवासी इकबाल चौहान एक

अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए बड़ा कब्रिस्तान पहुंचे थे। इसी दौरान वे अपनी मां की कब्र पर भी गए। वहां उन्होंने कब्रिस्तान परिसर में क्रेन खड़ी देखी और कुछ लोगों को पेड़ों की कटाई करते पाया। इकबाल चौहान का आरोप है कि, पेड़ों की कटाई के दौरान एक युवक मशीन को कब्रों के ऊपर से ले जाने के निर्देश दे रहा था। उन्होंने इसका विरोध किया तो पेड़ काट रहे लोग वहां से चले गए। इसके बाद शहजाद चौहान ने कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही मुन्ना पठान, आतिफ लियाकत खान सहित अन्य समाजजन भी मौके पर पहुंच गए। लोगों ने कब्रों का निरीक्षण किया और मशीनों के आवागमन से हुए नुकसान की जानकारी जुटाई। कब्रिस्तान में पेड़ों की कटाई की जानकारी वन परिक्षेत्र अधिकारी शंकर सिंह चौहान को दी गई।

त्योहार पर जाम से बचने की प्लानिंग; आरटीओ की बस एसोशियसन के साथ बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● त्योहारों के सीजन में सड़कों पर बढ़ने वाली भीड़ और ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए परिवहन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। आरटीओ बरखा शुक्ला ने ट्रैफिक थाने में बस एसोसिएशन के साथ ऑटो, मैजिक और ई-रिक्शा संचालकों की बैठक ली। उन्हें 10 दिन का समय दिया गया है। इस दौरान सभी संचालकों को अपने वाहनों से जुड़े जरूरी कागजात पूरे करने होंगे। बैठक में आरटीओ ने बताया कि सरकार की तरफ से वाहनों को यूनिक कोड और कलर कोड देने की व्यवस्था की जा रही है। यूनिक कोड में वाहन नंबर के साथ चालक की जानकारी भी दर्ज होगी। इससे सड़क पर चल रहे वाहनों की पहचान आसानी से हो सकेगी। आरटीओ बरखा शुक्ला ने कहा कि आने वाले त्योहारों को देखते हुए सड़कों पर धीरे-धीरे ट्रैफिक बढ़ रहा है। ऐसे में वाहन कहीं भी रोककर सवारी बैठाने या उतारने से ट्रैफिक पर असर पड़ता है और जाम लगता है। उन्होंने संचालकों को निर्देश दिए कि वाहन तय स्टॉप पर ही रोकें, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो और ट्रैफिक सही से चलता रहे।

सरकारी जमीन की मुरूम बेचने का आरोप, कलेक्टर ने जांच के दिए निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● शहर में सरकारी जमीन से मुरूम निकालकर उसे कथित तौर पर प्राइवेट कॉलोनियों और बाजार में बेचने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जिस जमीन से मुरूम की खुदाई हो रही है, वह नगर निगम की है और यहां से निकाली गई मुरूम का इस्तेमाल ट्रांसपोर्ट नगर के भराव में किया जाना था। इसके लिए नगर निगम करीब 40 लाख रुपए खर्च कर चुका है। अब मामले में नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने कलेक्टर से शिकायत कर जांच और कार्रवाई की मांग की है।

नगर निगम कमिश्नर प्रियंका राजावत ने सिहाड़ा रोड स्थित निगम की 27 एकड़ जमीन से 10 हजार घनमीटर मुरूम निकालने के लिए जनवरी 2026 में खनिज विभाग से अनुमति मांगी थी। रॉयल्टी के बदले निगम ने खनिज विभाग को 5 लाख रुपए भी दिए थे। मुरूम खुदाई का उद्देश्य ट्रांसपोर्ट नगर के भराव के लिए बताया गया था।

इसके लिए पंकज शर्मा को करीब 35 लाख रुपए का टेंडर दिया गया। आरोप है कि ट्रांसपोर्ट नगर में मुरूम पहुंचाने के बजाय इसे निजी क्षेत्र में खपाया जा रहा है। ट्रांसपोर्ट नगर में दूसरे स्थानों से लाए गए कचरे का भराव कर उसके ऊपर मुरूम की परत बिछाए जाने की बात भी सामने आई है।

बुधवार को सिहाड़ा रोड स्थित सरकारी जमीन पर दो जेसीबी और एक पोकलेन मशीन से खुदाई की जा रही थी। मुरूम परिवहन के लिए करीब 8 डंपर भी मौके पर मौजूद थे। आरोप है कि यहां से निकाली जा रही मुरूम प्राइवेट कॉलोनाइजर को बेची जा रही है। इंदौर रोड स्थित एक कॉलोनी में मुरूम डाले जाने के वीडियो और फोटो भी सामने आए हैं। इन्हीं वीडियो और फोटो के आधार पर नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने मामले की शिकायत कलेक्टर ऋषव गुप्ता से की। कलेक्टर ने खनिज विभाग को मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सबालेंका की यूएस ओपन में लगातार 16वीं जीत, पोलिना यात्वेंको को हराई

न्यूयॉर्क (एजेंसी) ● न्यूयॉर्क के फ्लशिंग मीडोज में खेले जा रहे यूएस ओपन 2026 में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में रूस की क्वॉलिफायर पोलिना यात्वेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली। सबालेंका ने यह मुकाबला सिर्फ 53 मिनट में जीता। महिलाओं में जेसिका पेगुला भी आगे बढ़ीं, जबकि मेंस सिंगल्स में डेनियल मेदवेदेव और बेन शेल्टन ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई। अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर 2 घंटे 39 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। गत विजेता सबालेंका शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलीं। उन्होंने पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में यात्वेंको ने एक गेम जीता, लेकिन इसके बाद सबालेंका ने लगातार तीन गेम जीतकर मैच खत्म कर दिया। सबालेंका की यूएस ओपन में यह लगातार 16वीं जीत है। वह फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। तीसरे दौर में उनका सामना उज्बेकिस्तान की कामिला रखिमोवा से होगा।

श्रीकांत चीन मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में, विक्टर लाई को दी मात

शेनझेन एरिना (एजेंसी) ●चीन के शेनझेन एरिना में खेले जा रहे चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को दूसरे दौर में पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत ने कनाडा के वर्ल्ड नंबर-9 विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराकर उलटफेर किया। दूसरी ओर, महिला सिंगल्स में हाल ही में ताइपे ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाली तन्वी शर्मा जापान की वर्ल्ड नंबर-9 टोमोका मियाजाकी से 17-21, 21-18, 16-21 से हारकर बाहर हो गईं। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी दूसरे राउंड में हार गई। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत का क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के ली चेउक यू से सामना होगा। श्रीकांत इसी साल यूएस ओपन सुपर 300 के फाइनल में भी पहुंचे थे। वहीं, विक्टर लाई ने पिछले महीने नई दिल्ली में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपना दूसरा ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वह इसी साल इंडोनेशिया में अपना पहला सुपर 1000 खिताब भी जीत चुके हैं।

एशियाई खेलों की तैयारी के लिए स्मार्ट ट्रैक का सहारा ले रहे एथलीट

नई दिल्ली (एजेंसी) ● 19 सितंबर से जापान में होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारतीय एथलीट अभ्यास के लिए अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रहे हैं। इसी के तहत ही इन एथलीटों को बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में एक विशेष 'स्मार्ट ट्रैक' उपलब्धि कराया गया है। इस ट्रैक पर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले और लंबी दूरी की धाविका पारुल चौधरी सहित आठ एथलीट अभ्यास कर रहे हैं। इनका ये अभ्यास शिविर 8 सितंबर तक चलेगा। इससे इनकी, प्रदर्शन क्षमता बेहतर होगी। इस उच्च-स्तरीय शिविर को टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत मंजूरी दी गई है। इसमे शामिल सभी एथलीटों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ये प्रतिभाशाली एथलीटों को समर्थन देने का खेल विभाग का प्रयास है। शिविर में शामिल अन्य प्रमुख एथलीटों में 800 मीटर के धावक कृष्ण कुमार, डेकाथलॉन एथलीट तौफीक एन, ऊंची कूद के एथलीट आदर्श राम और सुप्रिया बी, तथा पैदल चाल की खिलाड़ी मंजू रानी और प्रियंका शामिल हैं।

अनजाने में राधा और शनाया की मुलाकात, शो में आया नया मोड़

मुंबई (एजेंसी) ● अनमोल टीवी के पहले ओरिजिनल शो हमारी राधा की कहानी अब दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है, जहां राधा (सिमरन कौर) और शनाया (वैदेही नायर) पहली बार अनजाने में एक-दूसरे के सामने आती हैं। राधा इस बात से अनजान है कि शनाया का उसके पति गिरधर (अक्षय म्हात्रे) से खास रिश्ता है। कहानी में शनाया खरीदारी के लिए एक स्टोर पहुंचती है, जहां बिलिंग के दौरान उसे पता चलता है कि गिरधर का कार्ड अपनी लिमिट पार कर चुका है। इसी दौरान राधा भी वहां पहुंच जाती है।

खरीदारी के दौरान शनाया का कार्ड गलती से गिर जाता है, जिसे राधा और गिरधर का बेटा कियान उठा लेता है। कियान कार्ड को पहचान लेता है, लेकिन शनाया उस पर कार्ड चोरी करने का आरोप लगा देती है। बेटे पर चोरी का आरोप लगता देख राधा तुरंत उसके बचाव में खड़ी हो जाती है। वह शनाया से कियान से माफी मांगने को कहती है और अपनी बात पर तब तक अड़ी रहती है, जब तक शनाया उसके बेटे से माफी नहीं मांग लेती। इस तरह एक सामान्य मुलाकात अचानक बहस में बदल जाती है। राधा अभी शनाया की असलियत और गिरधर से उसके रिश्ते से अनजान है। दोनों की यह पहली मुलाकात आने वाले घटनाक्रम का संकेत देती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि जब राधा को शनाया और गिरधर के रिश्ते की सच्चाई पता चलेगी तो कहानी किस दिशा में जाएगी। हमारी राधा का प्रसारण हर रात साढ़े नौ बजे अनमोल टीवी पर किया जा रहा है।

किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें: अजय देवगन

मुंबई (एजेंसी) ● क्राइम पेट्रोल के नए सीजन क्राइम पेट्रोल-क्राइम का करंट सीजन को अजय देवगन होस्ट करते दिखेंगे। छोटे परदे के इस शो से जुड़ने को लेकर अभिनेता का कहना है कि ऐसी कहानियां मनोरंजन के साथ-साथ लोगों को अपने आसपास की दुनिया को समझने और सावधान रहने का मौका भी देती हैं। अभिनेता ने शो के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए कहा, मुझे सबसे ज्यादा इसकी वास्तविक कहानियां आकर्षित करती हैं। शो में दिखाई जाने वाली घटनाएं अपराध के मामलों से प्रेरित होती हैं और इनमें से कुछ मामले बेहद चौंकाने वाले होते हैं। कई बार ऐसी घटनाओं में ऐसे लोग शामिल होते हैं, जिनके बारे में आम इंसान कभी सोच भी नहीं सकता। यही चीज मुझे इस शो को लेकर सबसे ज्यादा एक्साइटेड करती है। उन्होंने आगे कहा, शो सिर्फ अपराध की कहानी दिखाने तक सीमित नहीं है। इसमें यह भी बताया जाता है कि किसी मामले को सुलझाने के लिए पुलिस और जांच से जुड़े अधिकारियों को कितनी मेहनत करनी पड़ती है। किसी केस को हल करने के पीछे की कोशिश और लगातार की जाने वाली मेहनत भी दर्शकों को देखने को मिलती है। मैं इस शो को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं मानता, बल्कि इसे लोगों को जागरूक करने वाला कार्यक्रम भी मानता हूं। अभिनेता ने आगे कहा, क्राइम पेट्रोल की कहानियां दर्शकों को अपने आसपास की परिस्थितियों को लेकर ज्यादा सावधान रहने का संदेश देती हैं। शो देखने के बाद लोगों को यह समझने में मदद मिलती है कि किसी अनजान या यहां तक कि जान-पहचान वाले व्यक्ति पर भी बिना सोचे-समझे भरोसा करना हमेशा सही नहीं होता।

उज्जैन संभाग

स्कूलों में मिट्टी के गणेश बनाने की बच्चों को ट्रेनिंग, विधायक और एसपी ने बनाई प्रतिमा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●गणेश चतुर्थी से पहले पर्यावरण संरक्षण को लेकर स्कूलों में मिट्टी के गणेश बनाने की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को ढांचा भवन स्थित मॉडल स्कूल में विद्यार्थियों को मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाने की ट्रेनिंग दी गई। कार्यक्रम में एसपी प्रदीप शर्मा, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा और समिति के सहसंयोजक जगदीश पांचाल ने बच्चों के साथ मिलकर मिट्टी के गणेश बनाए। विद्यार्थियों ने अपने हाथों से आकर्षक गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

लोकमान्य तिलक गणेशोत्सव महाआयोजन समिति पिछले 12 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण और शास्त्रोक्त पूजन परंपरा को बढ़ावा देने के लिए यह अभियान चला रही है। समिति के सहसंयोजक जगदीश पांचाल ने बताया कि समिति संयोजक विधायक के मार्गदर्शन में स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से विद्यार्थियों व आमजन को मिट्टी के गणेश बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा ने कहा कि मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने से जल और पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिलता है। एसपी प्रदीप शर्मा ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि बच्चे अपने हाथों से बनाई प्रतिमा का पूजन करेंगे और विसर्जन के बाद मिट्टी पानी में आसानी से घुल जाएगी। इससे पहले बुधवार को इंदिरा नगर स्थित नूतन कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया था। आगे अन्य स्कूलों में भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

शिप्रा आरती पर विवाद, पण्डा समिति बोली- परंपरा में दखल बर्दाश्त नही

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● रामघाट पर मां शिप्रा की पारंपरिक संध्याकालीन आरती को लेकर विवाद एक बार फिर सामने आया है। गुरुवार को कंट्रोल रूम के पास स्थित एक निजी कैफे में श्री क्षेत्र पण्डा समिति एवं समस्त तीर्थ पुरोहित-पंडा समाज की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें समिति पदाधिकारियों ने रामघाट पर वर्षों से चली आ रही आरती व्यवस्था में बदलाव और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के माध्यम से आरती शुरू कराने के प्रयास का विरोध किया। समिति ने आरोप लगाया कि पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था को इवेंट और टेंडर के माध्यम से संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है। समिति अध्यक्ष पंडित राजेश त्रिवेदी ने कहा कि राणोजी की छतरी के पास रामघाट पर पण्डा-पुरोहित समाज द्वारा लंबे समय से मां शिप्रा की आरती की जा रही है। उनका आरोप है कि अब महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के माध्यम से इसी क्षेत्र में अलग तरीके से आरती शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है। समिति का दावा है कि महाकाल मंदिर प्रबंध समिति का कार्यक्षेत्र मंदिर परिसर तक है और घाट क्षेत्र में हस्तक्षेप उसके अधिकार क्षेत्र का विषय है। पण्डा समिति ने स्मार्ट सिटी द्वारा आरती के आयोजन को लेकर जारी टेंडर पर भी सवाल उठाए। समिति का कहना है कि धार्मिक आरती को किसी इवेंट की तरह टेंडर के माध्यम से संचालित करना परंपरा और धार्मिक भावनाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने आरती के व्यावसायीकरण का विरोध करते हुए कहा कि पीढ़ियों से चली आ रही धार्मिक व्यवस्था को उसी परंपरा के अनुसार जारी रखा जाना चाहिए।

पंचकोशी मार्ग चौड़ीकरण का निरीक्षण, निगम आयुक्त ने सड़क का काम देखा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों के तहत उज्जैन में होटल नक्षत्र से पंचकोशी मार्ग पर बने ब्रिज तक सड़क चौड़ीकरण का काम जारी है। गुरुवार को नगर निगम कमिश्नर अभिलाष मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का जायजा लिया। यह सड़क करीब 450 मीटर लंबी और 24 मीटर चौड़ी बनाई जा रही है। वर्तमान में सड़क के एक हिस्से में लगभग 300 मीटर तक डीएलसी (ड्राई लीन कंक्रीट) का काम पूरा हो चुका है। इसके बाद सड़क की ऊपरी सतह पर पीक्यूसी (पेवमेंट क्वालिटी कंक्रीट) का निर्माण शुरू किया जाएगा।

लेआउट के हिसाब से काम के निर्देश

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर मिश्रा ने अधिकारियों को तय समय-सीमा और गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण तय लेआउट के अनुसार हो और सड़क की वास्तविक चौड़ाई का सही नाप पक्का की जाए।

उन्होंने डीएलसी का काम पूरा होते ही पीक्यूसी सड़क का निर्माण जल्द शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि पूरी सड़क समय पर तैयार हो सके। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री रवि राठौर समेत नगर निगम के कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

संकट मोचन मंदिर का निर्माण फिर शुरू, कंठाल चौराहे पर देर रात पूजा, प्रतिमा स्थापना की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ की तैयारियों के तहत सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण के दौरान हटाए गए कंठाल चौराहे के संकट मोचन हनुमान मंदिर की जगह पर फिर निर्माण शुरू हो गया है। स्थानीय समाजजनों की पहल पर मंदिर की बची जमीन पर दोबारा निर्माण और हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे और मंदिर स्थल पर पूजा-अर्चना की। फिलहाल प्रतिमा को सामने स्थित एक कपड़े की दुकान के पास रखा गया है, जहां पूजा-पाठ किया जा रहा है। मंदिर से जुड़े लोगों का कहना है कि जल्द ही हनुमान जी को उसी स्थान पर विराजित किया जाएगा। व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने बताया कि मंदिर करीब 150 से 200 साल पुराना है। उनका आरोप है कि नगर निगम ने तय सीमा से ज्यादा मंदिर का हिस्सा तोड़ दिया और निर्माण के लिए जरूरी जमीन नहीं छोड़ी। सुनील गुप्ता ने एक नगर निगम अधिकारी पर दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि नाली निर्माण के बाद बची जमीन पर ही मंदिर स्थापित किया जा रहा है। उनका कहना है कि इसमें किसी सरकारी जमीन पर नया अतिक्रमण नहीं किया गया है।

2-3 अक्टूबर को आयुर्वेद सेमिनार, बदलती जीवनशैली की बीमारियों पर जुटेंगे देशभर के आयुर्वेद विशेषज्ञ

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में 2 और 3 अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा। इसका विषय 'होलिस्टिक एप्रोचेस ऑफ आयुर्वेद इन द मैनेजमेंट ऑफ लाइफ स्टाइल डिसऑर्डर्स' रखा गया है। कार्यक्रम में देशभर से 500 से ज्यादा आयुर्वेद विशेषज्ञ, डॉक्टर, वैज्ञानिक और शोधार्थी शामिल होंगे। इसमें बदलती जीवनशैली से बढ़ रहे मधुमेह (शुगर) और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के बेहतर प्रबंधन और आयुर्वेद के उपयोग पर चर्चा की जाएगी। सेमिनार के वैज्ञानिक सत्रों में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के कारण, रोकथाम, इलाज और प्रबंधन से जुड़े शोध पत्र और पोस्टर पेश किए जाएंगे। विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे और इलाज की नए तरीकों पर चर्चा करेंगे। आयोजन अध्यक्ष और कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ओपी व्यास ने बताया कि देशभर के वैज्ञानिक, विद्वान और शोधार्थी एक मंच पर आकर आयुर्वेद में चल रहे शोध और उनके नतीजों पर चर्चा करेंगे। उद्देश्य शोध को केवल अकादमिक स्तर तक सीमित न रखकर उसका लाभ आम लोगों तक पहुंचाना है।

मेट्रो के लिए सुरंग बनाने जमीन के नीचे उतरी 410 टन वजनी 'नर्मदा'

■ एयरपोर्ट से गणपति के बीच बनेगी भूमिगत तकनीक के जरिये सुरंग, मशीन को विशेष शाफ्ट में उतारा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर मेट्रो के भूमिगत निर्माण को गुरुवार को नई रफ्तार मिल गई। एयरपोर्ट स्थित शाफ्ट में मेट्रो की पहली सुरंग खोदने वाली मशीन (टीबीएम) 'नर्मदा' को सफलतापूर्वक उतारकर चालू करने की प्रक्रिया पूरी की गई। करीब 410 टन वजनी यह मशीन अब एयरपोर्ट से बड़ा गणपति के बीच भूमिगत सुरंग बनाने का काम करेगी। इसके साथ ही इंदौर मेट्रो के भूमिगत निर्माण का महत्वपूर्ण चरण शुरू हो गया है।

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य ने मौके पर पहुंचकर मशीन को शाफ्ट में उतारने की पूरी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा करने वाली इंजीनियरिंग टीम और मेट्रो अधिकारियों को बधाई दी।

पहले जमीन के ऊपर जोड़ा, फिर नीचे उतारा-410 टन की विशाल मशीन को सीधे शाफ्ट में उतारना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण था। इसके लिए पहले मशीन को जमीन के ऊपर ही जोड़ा गया। इसके बाद विशेष उठाने वाली प्रणाली और रस्सी-आधारित जैक व्यवस्था की मदद से मशीन को एयरपोर्ट स्थित शाफ्ट के अंदर सुरक्षित तरीके से उतारा गया। इस्तेमाल की गई यह प्रणाली 1000 टन से अधिक वजन उठाने में सक्षम है।

ऐसे जमीन के नीचे बनेगी मेट्रो के लिए सुरंग

पहला चरण- टीबीएम को शाफ्ट में उतारा गया।
दूसरा चरण - मशीन को भूमिगत सुरंग की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा।
तीसरा चरण - मशीन जमीन काटते हुए सुरंग बनाएगी।
चौथा चरण- सुरंग की दीवारों को मजबूत करने का काम साथ-साथ होगा।
नतीजा : एयरपोर्ट से बड़ा गणपति के बीच भूमिगत मेट्रो मार्ग का निर्माण तेज होगा और सड़क के ऊपर यातायात को कम से कम प्रभावित करते हुए काम आगे बढ़ाया जा सकेगा।

अधिक वजन उठाने वाली विशेष प्रणाली का उपयोग

- 410 टन मशीन का वजन
- 1000+ टन- उठाने वाली प्रणाली की क्षमता
- एयरपोर्ट-बड़ा गणपति- भूमिगत सुरंग का मार्ग
- पहली टीबीएम - इंदौर मेट्रो के भूमिगत हिस्से के लिए
- शाफ्ट से सुरंग तक - अब मशीन जमीन के भीतर बनाएगी रास्ता
- खास बात : विशाल मशीन को पहले जमीन के ऊपर जोड़ा गया, फिर विशेष उठाने वाली प्रणाली से एयरपोर्ट के शाफ्ट में उतारा गया। अब इसके जरिए भूमिगत सुरंग की खुदाई शुरू होगी।

सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर तक इसी सप्ताह दौड़ सकती मेट्रो

■ 17 किलोमीटर के सफर की टाइमिंग और किराए पर मेट्रो प्रबंधन कर रहा माथापच्ची, मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर कर सकते हैं शुभारंभ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लंबे इंतजार के बाद शहर में मेट्रो के विस्तारित रूट पर यात्री सेवा शुरू होने की उम्मीद एक बार फिर बढ़ गई है। सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर चौराहा (रेडिसन चौराहा) तक करीब 17 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर पर इसी सप्ताह कमर्शियल रन शुरू करने का प्रस्ताव है। इसके लिए मेट्रो प्रबंधन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के हाथों मेट्रो सेवा का शुभारंभ कराया जा सकता है। हालांकि कार्यक्रम और अतिथियों की अंतिम

पुष्टि होना बाकी है। कमर्शियल संचालन से पहले मेट्रो प्रबंधन के सामने ट्रेन की टाइमिंग और किराया तय करने की अहम चुनौती है। विस्तारित रूट पर ट्रेन सुबह कितने बजे से शुरू होगी, रात तक कितनी देर चलेगी, शुरुआती दौर में कितने फेरे लगाए जाएंगे और अलग-अलग दूरी के लिए किराया कितना रखा जाएगा, इसे लेकर अधिकारियों के स्तर पर मंथन चल रहा है। प्रबंधन ऐसी समय-सारणी और किराया व्यवस्था तैयार करने में जुटा है, जिससे यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ मेट्रो का उपयोग भी बढ़े।

अंतिम तैयारियों में जुटा मेट्रो प्रबंधन: मप्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य ने हाल ही में गांधी नगर डिपो और मेट्रो रूट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की थी। कमर्शियल रन से पहले स्टेशनों, ट्रैक, सिग्नलिंग, परिचालन व्यवस्था और यात्री सुविधाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

टीबीएम की लॉन्चिंग की

इंदौर मेट्रो परियोजना के भूमिगत निर्माण कार्य में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा इंदौर मेट्रो के भूमिगत सेक्शन के लिए पहली टनल बोरिंग मशीन 'नर्मद' की एयरपोर्ट स्थित शाफ्ट में सफलतापूर्वक लॉन्चिंग की गई। एयरपोर्ट से बड़ा गणपति तक बनेगी भूमिगत सुरंग पहली टनल बोरिंग मशीन को बनर्मदाद्य नाम दिया गया है। यह टीबीएम इंदौर मेट्रो के एयरपोर्ट से बड़ा गणपति के बीच भूमिगत सुरंग के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। टीबीएम के माध्यम से भूमिगत सुरंग निर्माण कार्य को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

रेडिसन तक जुड़ेगा शहर

विस्तारित रूट शुरू होने के बाद गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर, एमआर-10, आईएसबीटी, हीरानगर, बापट चौराहा, मेघदूत गार्डन और विजय नगर होते हुए मालवीय नगर चौराहे तक सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी मिल जाएगी। करीब 17 से 175 किलोमीटर के इस एलिवेटेड कॉरिडोर पर लगभग 16 स्टेशन हैं। मेट्रो के इस विस्तार से विजय नगर, सुखलिया, सुपर कॉरिडोर और आसपास के व्यावसायिक एवं आवासीय क्षेत्रों को फायदा मिलेगा। आईटी कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों और रोजाना इन क्षेत्रों आने-जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह सुविधा महत्वपूर्ण साबित होगी। में

किराया स्लैब और न्यूनतम किराए को लेकर भी मंथन

विस्तारित रूट के लिए किरुवा तथ करना मेट्रो प्रबंधन के सामने महत्वपूर्ण मुद्दा है। प्रबंधन की कोशिश है कि किराया यात्रियों के लिए सुविधाजनक और आकर्षक रहे। अलग-अलग दूरी के हिसाब से किराया स्लैब और न्यूनतम किराए को लेकर भी मंथन चत्त रहा है। टाइमिंग के साथ किराया व्यवस्था को अंतिम रूप देने के बाद ही विस्तारित रूट के नियमित संचालन की पूरी तस्वीर साफ होगी।

एडीजे कोर्ट के फैसलों पर संदेह, हाईकोर्ट में शिकायत के बाद जांच शुरु

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिला कोर्ट में पदस्थ रहे एडीजे उमेश पटेल के फैसलों को लेकर हाईकोर्ट में शिकायत हुई है। इसके बाद फैसलों की जांच शुरू हो गई है। इसके लिए प्रिंसिपल रजिस्ट्रार इंदौर पहुंचे और कंप्यूटर सिस्टम को खंगाला गया है।

इंदौर एडीजे उमेश पटेल द्वारा अंग्रेजी में टाइप कर दिए गए कुछ फैसलों को लेकर संदेह जताया जा रहा है। इसे लेकर हाईकोर्ट जबलपुर में शिकायत हुई। इसके बाद प्रिंसिपल रजिस्ट्रार इंदौर पहुंचे और कोर्ट के कंप्यूटर व अन्य सिस्टम को जांच में लिया गया है। खासकर 12 फैसलों को लेकर संदेह जताया गया है।

जांच में मुख्य रूप से कंपनियों से जुड़े कुछ फैसले हैं। इसमें मेसर्स अंबर विरुद्ध न्यूटन, वेल्मिक इंडिया विरुद्ध किशोर, वेल्मिक इंडिया विरुद्ध अशोक कुमार, अंबर विरुद्ध मीना, किशन विरुद्ध कोहीनूर, प्रताप स्नैक्सविरुद्ध मालती इंडस्ट्रीज, दमानी ब्रदर्स विरुद्ध सुरेश गुल्वानी, प्रताप स्नैक्सविरुद्ध अभिनव फूड, संपत इंटरनेशनल विरुद्ध सत्यम टी कंपनी, सांघी ब्रदर्स विरुद्ध चंदा प्रोटेको, डीपी भूषण विरुद्ध हेमंत कटारिया केस हैं।

जांच में यह भी सामने आया

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एडीजे के फैसलों के अंग्रेजी में टाइप होने की जांच हो रही है। इसमें साइबर एक्सपर्ट को और जिला जज (विजिलेंस) राजीव अयाची को भी साथ में लिया गया है। तकनीकी जांच के लिए साइबर एक्सपर्ट भी हैं। टीम ने कोर्ट में पहुंचकर कंप्यूटर सिस्टम की जांच कर ली है।

चीटियां, सड़े आलू और घटिया खाना...

विवादों में इंदौर पीटीसी की 3 करोड़ के टेंडर वाली मेस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज मूसाखेड़ी में मैस के खाने का टेंडर अब विवादों में घिर गया है। नव आरक्षकों ने खाने की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की थी, जिसके बाद कॉलेज ने टेंडर रद्द कर दिया और नया ठेका दे दिया।

इंदौर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज मूसाखेड़ी में नव आरक्षकों को ट्रेनिंग दी जाती है। ट्रेनिंग के दौरान उनके खाने-पीने और डाइट का खास ध्यान रखा जाता है। इसके लिए नव आरक्षक ही पैसे जमा करते हैं और कॉलेज की ओर से मेस संचालक को भुगतान किया जाता है। इस पूरी व्यवस्था पर हर महीने करीब 25 से 30 लाख रुपए खर्च होते हैं, यानी सालाना खर्च करीब 3 करोड़ रुपए तक पहुंच जाता है। अब इसी मेस के टेंडर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है।

घटिया खाना, टेंडर हुआ रद्द-चित्रकूट के अशोक द्विवेदी की कंपनी सपोर्टिव मैनपावर सॉल्यूशन प्राालि को नवंबर 2025 में मेस का ठेका दिया गया था। इस ठेके के तहत कंपनी को 11 महीने तक नव आरक्षकों के लिए भोजन की व्यवस्था करनी थी। लेकिन जून 2026 में कंपनी का टेंडर रद्द कर दिया गया। इसमें कहा गया कि कई बार समझाने के बाद भी खाने की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ। लगातार शिकायतें मिल रही थीं और मेस में स्टाफ की कमी भी थी, इसलिए टेंडर खत्म करने का फैसला लिया गया। वहीं, कंपनी संचालक अशोक द्विवेदी ने इस कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। खाने को लेकर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज के अधिकारियों ने हाईकोर्ट में टेंडर रद्द करने की वजह बताई है।

एमवाय अस्पताल के बोरिंग का पानी निकला संदिग्ध, अब सभी बोर किए बंद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रबंधन ने एहतियात के तौर पर सभी संबंधित बोरिंगों को बंद रखने का फैसला किया है। पानी की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही तय होगा कि इनमें से कौन-सा पानी इस्तेमाल के योग्य है और किन बोरिंगों के पानी को लेकर आगे भी रोक जारी रखनी होगी। राज एक्सप्रेस की खबर के बाद लिया गया यह निर्णय इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि अब केवल एक संदिग्ध बोरिंग की बात नहीं, बल्कि एमवायएच परिसर में इस्तेमाल हो रहे सभी बोरिंगों के पानी की गुणवत्ता जांच के दायरे में आ गई है। अब निगाह जांच रिपोर्ट पर है, जो बताएगी कि अस्पताल परिसर का भूजल वास्तव में कितना सुरक्षित है। एमवायएच परिसर में बड़ी संख्या में मरीज, उनके परिजन और कर्मचारी रोजाना मौजूद रहते हैं।

सभी बोरिंगों के पानी की जांच के आदेश रिपोर्ट आने तक उपयोग पर रोक

एमवाय अस्पताल परिसर में एक बोरिंग के पानी को पीने योग्य नहीं बताए जाने के बाद अब पूरे परिसर के बोरिंगों की जांच होगी। राज एक्सप्रेस ने बुधवार के अंक में वाटर टैंक के पास स्थित बोरिंग पर नगर निगम द्वारा चस्पा की गई सूचना को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसमें बताया गया था कि बोरिंग का पानी पीने योग्य नहीं है। खबर में यह सवाल भी उठाया गया था कि जब परिसर में पांच अन्य बोरिंग भी हैं और इनका पानी अस्पताल परिसर के अलग-अलग विभागों में इस्तेमाल हो रहा है, तो इनकी जांच कब होगी। खबर प्रकाशित होने के बाद एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी बोरिंगों को बंद करने के निर्देश दिए हैं। डीन की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि परिसर में मौजूद सभी बोरिंगों के पानी की जांच कराई जाए। जब तक जांच रिपोर्ट से यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि पानी पीने योग्य है या नहीं, तब तक इन बोरिंगों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

खनिज का प्रभार रिकेश वैश्य से लेकर नवजीवन पवार को दिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टोरेट में एडीएम पद से टोशन राय के रिलीव होने के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा ने कार्यविभाजन किया है। इसमें अपर कलेक्टर पवार नवजीवन विजय और रिकेश वैश्य के बीच काम बांटे गए हैं।

इंदौर कलेक्टोरेट में पांच अपर कलेक्टर के पद हैं। लेकिन इस समय संकट चल रहा है, केवल तीन ही अपर कलेक्टर पदस्थ हैं। इसमें से एक स्वास्थ्य कारणों से लंबी छुट्टी पर है। वहीं हाल ही में रोशन राय के रिलीव होने और उनकी जगह किसी के नहीं आने पर केवल दो ही अपर कलेक्टर कार्यरत है। इसमें एक अपर कलेक्टर आईएएस नवजीवन विजय पवार हैं और दूसरे रिकेश वैश्य है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने रोशन राय के काम इन दोनों के बीच बांट दिए हैं। नए कार्य विभाजन में उनके पूर्व कामों के साथ नए काम जोड़े गए हैं। इसमें खनिज शाखा और अवैध माइनिंग का काम पवार को दिया गया है। यह पहले रिंकेश वैश्य के पास था। इसके साथ ही परिवहन, सोसायटी, पेट्रोलियम एनओसी, भारतीय नागरिकता, हिंदू मैरिज काम और जोड़े गए हैं। खाद्य नागरिक आपूर्ति व खाद्य औषधि प्रशासन भी उनके पास रहेगा।

सीएम हेल्पलाइन और सीधे शिकायतों के बीच डीएवीवी फिर शुरू करेगा वीसी हेल्पलाइन

■ ई-समाधान ऐप को नहीं मिल रहा अपेक्षित रिस्पॉन्स, सितंबर से ई-मेल के जरिए फिर दर्ज होंगी शिकायतें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय छात्रों की शिकायतों के लिए अपनी वीसी हेल्पलाइन को एक बार फिर शुरू करने जा रहा है। सितंबर से यह हेल्पलाइन ई-मेल के माध्यम से संचालित होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पाया है कि छात्र डीएवीवी के डिजिटल प्लेटफॉर्म की तुलना में सीएम हेल्पलाइन या विश्वविद्यालय पहुंचकर सीधे शिकायत करना अधिक पसंद कर रहे हैं।

वीसी हेल्पलाइन की शुरुआत जनवरी 2024 में की गई थी, ताकि छात्र अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याएं सीधे कुलपति तक पहुंचा सकें। इस माध्यम से विद्यार्थियों ने संबद्ध कॉलेजों और शिक्षण विभागों से जुड़ी कई शिकायतें दर्ज कराई थीं। शुरुआती दौर में नियमित कक्षाएं नहीं लगने, उपस्थिति दर्ज नहीं होने और परीक्षा शुल्क के नाम पर अतिरिक्त राशि वसूलने जैसी शिकायतें सामने आई थीं, जिन पर विश्वविद्यालय ने कार्रवाई भी की थी। हालांकि पिछले कुछ महीनों में वीसी हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों की संख्या लगातार कम हुई है। समीक्षा में सामने आया कि अधिकांश छात्र अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सीधे विश्वविद्यालय कार्यालय पहुंच रहे हैं या फिर सीएम हेल्पलाइन का सहारा ले रहे हैं। इस वर्ष शुरू किए गए डीएवीवी के ई-समाधान ऐप को भी अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। विश्वविद्यालय अधिकारियों के अनुसार इस प्लेटफॉर्म पर हर महीने 50 शिकायतें भी दर्ज नहीं हो रही हैं। दूसरी ओर, सीएम हेल्पलाइन पर विश्वविद्यालय का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

नवंबर से यूजी-पीजी सेमेस्टर परीक्षा, बदलेगी पूरी व्यवस्था

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डीएवीवी की यूजी-पीजी सेमेस्टर परीक्षाएं नवंबर-दिसंबर में होंगी। परीक्षा व्यवस्था में बदलाव को लेकर गुरुवार को विश्वविद्यालय में बैठक हुई। इसमें पेपर सेटिंग, मूल्यांकन और नकल रोकने की व्यवस्था को लेकर निर्णय लिए गए। सेमेस्टर परीक्षा के लिए विद्यार्थियों से 15 सितंबर से आवेदन लिए जाएंगे। अक्टूबर से प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया शुरू होगी। विषयवार पेपर सेटर की सूची तैयार कर उन्हें प्रश्नपत्र बनाने के लिए 15 से 20 दिन का समय दिया जाएगा। परीक्षा की कॉपियों के मूल्यांकन में तेजी लाने के लिए विश्वविद्यालय 400 से अधिक नए मूल्यांकनकर्ता जोड़ेगा। इससे

मूल्यांकन जल्द पूरा कर परिणाम समय पर जारी करने की कोशिश होगी। नकल रोकने के लिए उड़नदस्तों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इंदौर के अलावा विवि से जुड़े अन्य जिलों में दो-दो उड़नदस्ते बनाए जाएंगे। ये टीमें परीक्षा केंद्रों की निगरानी करेंगी। विवि के अनुसार नवंबर में तीसरे सेमेस्टर और दिसंबर में पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। इनमें एमए, एमकॉम, एमएससी, बीएएलएलबी, बीकॉम एलएलबी, बीएससी एलएलबी, एलएलएम, बीएड-एमएड सहित अन्य पाठ्यक्रम शामिल हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि परीक्षा प्रक्रिया को समयबद्ध करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

गौतमपुरा क्षेत्र में दो माह के अंदर तीसरा मर्डर पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

गौतमपुरा क्षेत्र में लगातार खूनी खेल चल रहा है। दो माह के अंदर क्षेत्र में तीसरी हत्या कल विष्णु नामक व्यक्ति की हुई है लगातार हत्याओं से क्षेत्र में डर का माहौल बन गया पहले मर्डर बाबू नामक व्यक्ति का खेत पर हुआ। गौतमपुरा पुलिस ने इसकी गुत्थी सुलझा कर आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया। दूसरा मर्डर पैसे के लेनदेन को लेकर हुआ। जिसमें युनूस नामक व्यक्ति की हत्या की गई। तीसरा मर्डर कल भील बडोली निवासी विष्णु पिता रामसिंह तंवर का हुआ वह बुधवार शाम घर से किसी काम को लेकर निकाला था लेकिन रात होने तक वह घर नहीं लौटा परिजनों ने फोन लगाया विष्णु ने कहा कुछ ही देर में घर पहुंच रहा हूं। लेकिन उसके बाद विष्णु से संपर्क नहीं हो पाया भील बडोली से लगभग 2 किलोमीटर दूरी पर खेत के समीप विष्णु की लास खून से लखपत देखी गई पास में खड़ी एक्टिवा भी गिरी हुई मिली एक्टिवा पर खून के निशान थे ग्रामीणों ने इसकी सूचना गौतमपुरा थाना प्रभारी और देपालपुर एसडीओपी संघप्रिय सम्राट को दी वह अपने दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस के आला अधिकारी बारीकी से जांच कर रहे आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल जा रहा है। आखरी बार विष्णु को किसके साथ देखा गया इसकी भी जांच पड़ताल की जा रही। लगातार गौतमपुरा क्षेत्र में एक के बाद एक हत्या क्षेत्र में भय का माहौल बन गया गौतमपुरा पुलिस के कार्य प्रणाली पर कहीं गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लगातार क्षेत्र में खूनी खेल चल रहा है लेकिन पुलिस अपराधों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है।गौतमपुरा थाना प्रभारी अलका मोनिया के सामने लगातार हत्याएं होना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है जिम्मेदार अधिकारी होने के कारण क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश ना लगाना कहीं ना कहीं गंभीर प्रश्न चिन्ह खड़े करता है लेकिन अब देखना होगा विष्णु नामक व्यक्ति की मौत का खुलासा गौतमपुरा पुलिस कब करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।